https://kkrnews.in/

RNI NO MPHIN/2021/82667

सुविचार

देश की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। भारतीय सेना के जवान हमेशा देश की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

दैनिक

ख़बरों की रोशनी

KKR NEWS

वर्ष-4 अंक-283 भोपाल, गुरुवार 17 जुलाई 2025 पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपए

प्राचीन सभ्यताओं के संवाहक हैं भारत और स्पेन, अब औद्योगिक विकास में करेंगे साझेदारी : मुख्यमंत्री

स्पेन के निवेशकों को देंगे वर्ल्ड क्लास सुविधाएं बेहिचक म.प्र. से जुड़िए और हमारी 18 हाईटेक औद्योगिक नीतियों का लाभ लें

भोपाल एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत और स्पेन दो प्राचीन सभ्यताओं के संवाहक हैं। दोनों देशों ने नैतिक मूल्यों के आधार पर अपनी पुरा संस्कृति को आगे बढ़ाया है। दोनों देश जुड़वा भाईयों की तरह हैं। अब विकास के मामले में भी हम मिलकर आगे बढ़ेंगे। संस्कृति

के साथ-साथ तकनीक में भी स्पेन की एक अलग ही पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को स्पेन की राजधानी मैड्रिड में इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश भारत का सबसे तेजी से विकासशील प्रदेश है। यहां निवेश करना निःसंदेह फायदे का सौदा है। उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश की बेजोड़ खूबियां बताते हुए कहा कि यदि आप भारत में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो एक बार मध्यप्रदेश अवश्य आइये, मध्यप्रदेश को भूल नहीं पाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में खनिज, पर्यटन, बड़े उद्योग, फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री, तकनीकी विकास से जुड़े उद्योग स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं। भारत में एमपी टूरिज्म सबसे तेजी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भरपूर भू-संपदा उपलब्ध है, जिसमें नई तकनीक का इस्तेमाल करने से विकास की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश, भारत के मध्य क्षेत्र में स्थित है, इसलिए हम लॉजिस्टिक सेक्टर में अग्रणी बनने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अगर आप भारत के किसी और राज्य में भी उद्योग स्थापित करते हैं, तब भी आपको मध्यप्रदेश की आवश्यकता जरूर पड़ेगी। मध्यप्रदेश आंतरिक सड़कों, नेशनल हाईवेज, रेल और हवाई मार्ग से देश-विदेश से जुड़ा है। मध्यप्रदेश सभी सेक्टर्स में तेजी से आगे बढ़ने वाला भारत का राज्य बना है। हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में भी अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में फूड प्रोसेसिंग, सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, एग्री बेस्ड इंडस्ट्री और टेक्सटाईल सेक्टर में बड़ी संभावनाएं हैं। हम सभी सेक्टर्स में यहां आने वाले निवेशकों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं देने की क्षमता रखते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से आग्रह किया कि सुरक्षित निवेश के लिए आप बेहिचक मध्यप्रदेश से जुड़िए। हमारी 18 प्रकार की हाईटेक औद्योगिक नीतियों का लाभ लें। मध्यप्रदेश निवेशकों को केपिटल रिटर्न देने में पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश की विकासशीलता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भी प्रभावित किया है। मध्यप्रदेश में निवेश करने पर भारत सरकार की ओर से भी देशी-विदेशी निवेशकों को कई तरह की रियायतें दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मेडिकल कॉलेजेस की संख्या भी तेजी से बढ़ाई जा रही है और नई मेडिकल डिवाईसेस के लिए देशी और विदेशी कंपनियां यहां निवेश कर रही हैं। अब मध्यप्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पेन की शांतिप्रियता, सामुदायिक विकास, तकनीक के इस्तेमाल और फुटबॉल प्रेम ने भी यहां की अर्थव्यवस्था को बेहद मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि स्पेन आर्थिक व्यापार के मामले में भारत का छठा सबसे बड़ा साझेदार है। वर्तमान में स्पेन के साथ 9.32 बिलियन डॉलर का व्यापार हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्पेन के निवेशकों द्वारा मध्यप्रदेश में निवेश के लिए बढ़ाया गया हर एक कदम व्यापार-व्यवसाय के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सचिव एवं एमडी टूरिज्म डॉ. इलैया राजा टी., एमडी एमपीआइडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला सहित फ्रेंड्स इन एमपी इन स्पेन के सदस्य एवं बड़ी संख्या में उद्योगपति/निवेशक उपस्थित थे। म.प्र. में हॉस्पिटैलिटी, वेलनेस और एडवेंचर टूरिज्म में निवेश के अवसर ‒ प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शुक्ला मध्यप्रदेश, इतिहास और विरासत की भूमि है। भारत में स्थित यूनेस्को की 62 विश्व धरोहर है जिसमें से 18 मध्यप्रदेश में है। संस्कृति और आध्यात्म की दृष्टि से मध्यप्रदेश अत्यंत समृद्ध है। प्रदेश में 2 ज्योतिर्लिंग के साथ विश्व की प्राचीनतम नदियों में से एक और प्रदेश में पूजनीय नदी माँ नर्मदा बहती है। आज के तनाव भरे जीवन में मां नर्मदा के किनारे स्थित सभी स्थल आपको अध्यात्म और सकारात्मक ऊर्जा से भर देते हैं।

नशा मुक्ति अभियान को लेकर पुलिस ने राजधानी की सड़कों पर निकाली रैली

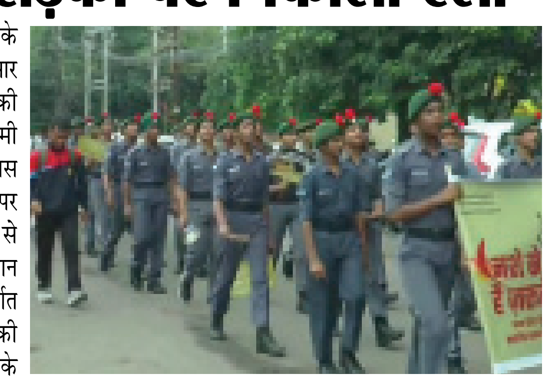

भोपाल विशेष संवाददाता। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की इच्छा अनुसार प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए और नशे की बुराइयों से छात्र-छात्राओं से लेकर आम आदमी को जागरूक करने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस के महानिदेशक कैलाश मकवाना के निर्देश पर 15 जुलाई से 30 जुलाई तक जन भागीदारी से नशा मुक्ति नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाया जा रहा है इस अभियान के अंतर्गत आज मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की सड़कों पर पुलिस विभाग द्वारा जन सहयोग के साथ बड़ी रैली निकाली गई इस रैली में मोटरसाइकिल कार्यों से लेकर पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी पैदल चल रहे थे जन भागीदारी के रूप में अनेक समाज के लोग छात्र-छात्राएं भी पुलिस की सैलरी में साथ थे उनके हाथों में नशा मुक्ति की शक्तियां थी यह रैली पुलिस मुख्यालय भोपाल से होती हुई रोशनपुरा और रोशनपुरा से होती है स्टेडियम पर जाकर समाप्त हुई।

अमरवाड़ा शिव धाम गारमेटा मंदिर में मां के नाम लगाए गए पेड़

हर्रई अमरवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी के साथ शरद सेन की रिपोर्ट। अमरवाड़ा में शिव धाम मंदिर में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मनसा अनुसार एक पेड़ मां के नाम पर अमरवाड़ा शिव धाम स्थित गारमेटा मन्दिर में पेड़ लगाया गया जिसमें भाजपा नेता प्रहलाद सूर्यवंशी लकी राजपूत चंदू बर्मा वंशी बल्लू यादव उपस्थित रहे नहीं इनके द्वारा संकल्प लिया गया है कि हम हमेशा पेड़ लगाएंगे और पर्यावरण को बचाएंगे और अमरवाड़ा विधानसभा का प्रसिद्ध शिव मंदिर गरमेटा मंदिर पेड़ लगाए जा रहे हैं और एक प्रसिद्ध मंदिर हो चुका है जहां लोगों का आस्था का केंद्र भी बना हुआ है।

विश्व युवा कौशल दिवस सप्ताह का आयोजन किया गया

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। छत्रपति शिवाजी महाराज शासकीय महाविद्यालय बुरहानपुर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना अंतर्गत विश्व युवा कौशल दिवस सप्ताह पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी मनोज कुमार चौधरी ने बताया की अंतर्राष्ट्रीय युवा कौशल की अवधारणा का उद्गम संयुक्त राष्ट्र संघ से हुआ है। जिसमें प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र,आईटीआई,मुख्यमंत्री सीखो कमाओं योजना में अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, कम्प्यूटर कौशल,सम्प्रेषण कौशल विकास में सभी विद्यार्थी स्वयं का पंजीयन सुनिश्चित कर सकते है। श्री कमलेश देपाले ने जानकारी देते हुए बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थियों का नई स्टार्टअप की शिक्षा और कौशल संवर्धन सीखने के लिए लक्ष्य 2035 तक 50 प्रतिशत युवाओं को रोजगार देना निश्चित है। च्वाईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम में वैकल्पिक चयन मेरिट आधार से अध्ययन करने का अवसर देता है। जिस प्रकार एक मिट्टी को आकार देकर खिलौने, ईट,मिट्टी के दीपक बनाकर स्टार्टअप तैयार कर व्यापार कर सकते है। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ.प्रमोद चौधरी,मोहम्मद रफकी अंसारी,जितेन्द्र कामले एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

सुनील धानेश्वर पंचतत्व में विलीन समाज के हर वर्ग ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

खबरों की रौशनी जिला ब्यूरो बालाघाट। नगर के प्रतिष्ठित पत्रकार परिवार से संबंध रखने वाले स्वर्गीय सुनील धानेश्वर का सोमवार दोपहर नगर के स्थानीय मोक्षधाम पर अंतिम संस्कार किया गया। वे बैहर तहसील म.प्र श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष देवदत्त धानेश्वर के अनुज एवं वरिष्ठ पत्रकार सी.आर. धानेश्वर के छोटे सुपुत्र थे। स्व. सुनील धानेश्वर के असामयिक निधन से नगरभर में शोक की लहर दौड़ गई। स्वर्गीय सुनील धानेश्वर का निधन रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि लगभग 1ः30 बजे उनके निज निवास पर हुआ। वे विगत एक वर्ष से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका उपचार विभिन्न अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में कराया जा रहा था। परंतु तमाम चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद उन्हें नहीं बचाया जा सका। स्व. सुनील धानेश्वर की अंतिम यात्रा में नगर के सभी पत्रकार साथी,विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि,नगर के गणमान्य नागरिकों, भाजपा-कांग्रेस सहित सभी दलों के जनप्रतिनिधियों और सार्वजनिक हनुमान व्यायामशाला के सभी सदस्यों सहित सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। स्थानीय मोक्षधाम में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। स्व. सुनील धानेश्वर एक सौम्य, शांतचित्त और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। पत्रकारिता परिवार से संबंध होने के बावजूद उन्होंने सादगी,विनम्रता और सेवा भाव से नगरवासियों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनके असामयिक निधन से नगर के पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। वे अपने पीछे पत्नी,दो पुत्रों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। शोक की इस घड़ी में नगर के तमाम वर्गों ने परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

नशे से दूरी- है जरूरी अभियान के तहत जन-जागरूकता रैली तथा जन संवाद का आयोजन

स्कूलों, कॉलेजों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर किए गए आयोजन छात्र-छात्राओं तथा आमजनों के नशे के खिलाफ़ किया गया अवैयर

भोपाल से संवाददाता अनस खान। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार नशे से दूरी- है जरूरी अभियान के तहत आज दिनाँक 16 जुलाई को नगरीय पुलिस भोपाल के समस्त थाना क्षेत्रों में ज़न जागरूकता रैली एवं जन संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र छात्राएं, नगर रक्षा समिति

तथा आमजन सम्मिलित रहे। संवाद के दौरान थाना प्रभारी एवं स्टॉफ द्वारा नशे से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। नशे के खिलाफ अभियान में सहभागिता देने तथा नशे से अपने परिवार रिश्तेदारों को जागरूक करने हेतु आमजनों को समझाइए दी गई, नारे लगाए गए, साथ ही नशे के खिलाफ शपथ दिलाई गई। डीसीपी जोन 4 सभी थानों में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया उनकी टीम के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है।

अधिकारियों ने कार्यालयों का किया निरीक्षण

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देशानुसार अधिकारियों द्वारा शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि कार्यों में प्रगति आए। इसी कड़ी में बुधवार को अपर कलेक्टर वीर सिंह चौहान ने एसडीएम कार्यालय नेपानगर,तहसीलदार न्यायालय नेपानगर,सरोला,नावरा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न्यायालयीन प्रकरणों का भी अवलोकन किया व निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वही लोक सेवा केन्द्र में किए जा रहे कार्यों का जायजा भी लिया। इस दौरान एसडीएम श्री वाखला सहित अन्य उपस्थित रहे। निरीक्षण की श्रृंखला में अपर कलेक्टर श्रीमति सपना अनुराग जैन ने भी कृषि कार्यालय का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

नारायण शैक्षणिक संस्थान ने नारायण शैक्षणिक योग्यता परीक्षा (NSAT)-2025 का 20वां संस्करण शुरू कर दिया है

भोपाल। मध्य प्रदेश नारायण आईआईटी-जेईई/नीट/फाउंडेशन अकादमी के डीजीएम श्री सलाम सर ने बताया कि NSAT एक बहुप्रतीक्षित वार्षिक शैक्षणिक योग्यता परीक्षा है, जो कक्षा 5 से 11 (विज्ञान) तक के छात्रों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। इसमें उत्कृष्टता के लिए 1 करोड़ रुपये से अधिक का नकद पुरस्कार दिया जाता है। योग्य उम्मीदवार अपनी शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए 100त्न वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यह ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से आयोजित की जाएगी। ऑफलाइन परीक्षा 5 और 12 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी, जबकि ऑनलाइन परीक्षा के लिए छात्र 19 और 20 अक्टूबर को परीक्षा दे सकते हैं। NSAT 2025 देश भर के 300 से अधिक शहरों के 5000 से अधिक स्कूलों के छात्रों तक पहुँचेगा। यह परीक्षा विज्ञान, गणित और बौद्धिक क्षमता जैसे विषयों पर आधारित होगी, जिसमें चिंतन कौशल को प्रोत्साहित करने वाले प्रश्न होंगे। चार दशकों से अधिक की विरासत के साथ, नारायण शैक्षणिक संस्थान लगातार नए मानक स्थापित करके शैक्षणिक उत्कृष्टता के स्तर को ऊँचा उठा रहे हैं। अपने विश्वास - आपके सपने हमारे सपने हैं के अनुरूप, नारायण शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता की खोज में छात्रों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एनएसएटी-2025 का शुभारंभ नारायण भोपाल केंद्र, एम.पी. नगर, जोन- में मुख्य अतिथि डॉ. डी. किशन, पीएचडी, प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि श्री पी.के. पाठक (एनटीए) राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी, भोपाल और जोनल समन्वयक एवं सहोदय ग्रुप ऑफ़ सीबीएसई स्कूल्स और संस्कार इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य थे। एनएसएटी के बारे में परिचय और विवरण केंद्र प्रमुख कमल बलानी और शाखा प्रबंधक योगेश दंडोतिया द्वारा दिया गया। नारायण के बारे में परिचय संकाय दिव्यप्रकाश मिश्रा द्वारा दिया गया और मुकाती सर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन। अधिक जानकारी के लिए छात्र-छात्राएँ, अभिभावक मोबाइल-9522565122 पर संपर्क करें या पोर्टल - www.nsatnarayanagroup.com पर जाएँ।

नेपा लिमिटेड कार्यालय में संयुक्त बैठक आयोजित

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। नेपानगर में नेपा लिमिटेड कार्यालय में संयुक्त बैठक आयोजित रही। बैठक में कलेक्टर हर्ष सिंह,सीएमडी अरविंद वडेरा,डीएफओ विद्याभूषण सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस दौरान विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

उमरा पर जाने वाले हाजी शफी मेमन व इस्माइल मेमन का किया समाज जनों ने स्वागत

13 वर्षीय इस्माइल मेमन के उमरा पर जाने को लेकर समाजजनों मे खुशी व उत्साह

शुजालपुर से मोहम्मद नफीस शुजालपुर। हज का महीना मुकम्मल होने के बाद अब मुस्लिम समाज के धर्मावलंबियों का उमरा पर जाने का दौर शुरू हो गया। अब पूरे साल भर मुस्लिम समाज के लोग उमरा करने जाएंगे। जो कि हज का छोटा स्वरूप है। यानी उमरा का टूर 15 या 20 दिन का होता है, इसमें हज नहीं होता। हज सिर्फ बकरीद के महीने में मुकम्मल होता है। इसी कड़ी में शुजालपुर मंडी निवासी प्रतिष्ठित व्यवसायी हाजी शफी मेमन और उनके पोते इस्माइल मेमन के उमरा करने जाने पर उनका फूलमालाओं से इस्तकबाल किया गया। हाजी शफी मेमन ने उमरा पर जाने से पहले मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमे कई समाज जनों ने उनको और उनके पोते इस्माइल मेमन को उमरा पर जाने की बधाई दी। इस मौके पर विशेष तौर से अंजुमन कमेटी सदर हाजी अशरफ मेमन, अंजुमन इस्लाम कमेटी शुजालपुर मंडी सेक्रेट्री हाजी शब्बीर पहलवान (दूध वाले), अंजुमन कमेटी शुजालपुर मंडी खजांची इब्राहिम खां (बैटरी वाले), अंजुमन कमेटी मेम्बर लतीफ बाबूजी, हाफिज सुलेमान, मेहबूब पठान, सलीम कुरैशी, सलीम मेमन, अनीस मेमन, वसीम मंसूरी, जमील खां, सामाजिक कार्यकर्ता हसन रज़ा कुरैशी, लुकमान मंसूरी, नदीम कुरैशी, हसमुद्दीन मंसूरी, शब्बीर मंसूरी, यूसुफ खां लीलगर, सैय्यद जुनैद कामरान, नोशाद मंसूरी, खलील पठान, जाकिर मंसूरी, अमजद खान, आरिफ़ रंगरेज़, जीशान खां, आज़ाद खां, रफीक खां, शफीक खां, जैनुल मेमन, फारुख नेता, इरफान लीलगर, मोइन मंसूरी, काशिफ़ मेमन, इरफान मंसूरी (टई), वसीम मेमन, तौहीद कुरैशी, अनस मेमन, इलयास लीलगर, मोइन मेमन, फरहान मंसूरी, सोहैल, शाहिद, आकिब, तोसिब, शाहरुख, सलमान सहित मोहल्ले वासियों ने उनका फूलमालाओं से इस्तकबाल किया और देश मे अमन चैन बना रहे इसकी दुआओं की गुजारिश की।

माधव नगर पुलिस की गिरफ्त में आरोपी पीड़िता के साथ दमोह में की थी वारदात

श्रीमान पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पच्चीसिया के निर्देशन एवं थाना प्रभारी अभिषेक चौबे के नेतृत्व में थाना माधवनगर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली

अमित नायक कटनी से। थाना माधव नगर निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी लड़की घर से बिना बताए कहीं चली गई है रिपोर्ट पर थाना माधव नगर में गुम इंसान क्रमांक 91/ 25 दर्ज कर जांच में लिया गया दौरान जांच के जिला दमोह के थाना जबेरा एवं चौकी संग्रामपुर से सूचना प्राप्त हुई की थाना माधव नगर क्षेत्र की गुमशुदा लड़की घायल अवस्था मे थाना जबेरा अंतर्गत चौकी संग्रामपुर के पाई गई है जिसे पुलिस की मदद से जिला अस्पताल दमोह में भर्ती कराया गया सूचना प्राप्त होने पर थाना माधव नगर से पुलिस टीम थाना जबेरा भेजी गई जानकारी प्राप्त हुई कि पीडित 7 माह की गर्भवती है तथा उसकी हालत नाजुक होने पर उसे जबलपुर इलाज हेतु रेफर कर दिया है थाना जबेरा पुलिस के द्वारा बताया गया कि पीड़िता को माधव नगर के पवन उर्फ आशीष बर्मन पिता लक्ष्मी प्रसाद बर्मन तथा उसके साथी निगम रैकवार निवासी ग्राम माला बमोरी थाना नोहटा इलाज के बहाने से मोटरसाइकिल में बिठाकर जिला दमोह लेकर जा रहे थे रास्ते में चौकी संग्रामपुर के जंगल में ले जाकर रात्रि में पीड़िता के साथ दोनों ने लात एवं घुसो से मारपीट कर उसे जान से मारने की नीयत से खाई में धकेल दिया था सुबह होने पर पीड़िता को होश आने पर राहगीरों की सहायता से एवं पुलिस की मदद से इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया था जहां पीड़िता ने जबेरा पुलिस को बताया कि पवन बर्मन एवं निगम रैकवार ने इलाज के बहाने से उसे लेकर आए थे क्योंकि पवन उर्फ आशीष बर्मन से पीड़िता के प्रेम संबंध थे तथा वह 7 माह की गर्भवती हो गई थी इसी कारण से पवन एवं उसका साथी निगम रैकवार उसे जान से मारना चाह रहे थे थाना जबेरा जिला दमोह से स्थानांतरित थाना माधव नगर में प्राप्त होने पर असल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया थाना माधव नगर पुलिस ने टीम थाना जबेरा के लिए रवाना की और पीड़िता के कथनों के आधार पर आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी गणों ने घटनाकार स्वीकार किया और उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी गण पवन उर्फ आशीष बर्मन एवं उनके साथी निगम रैकवार को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को जप्त किया गया। आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर अपराध के संबंध में और पूछताछ करने हेतु एक दिन का पुलिस रिमांड दिया गया थाना प्रभारी माधव नगर अभिषेक चौबे, वहाब खान, आरक्षक अभय यादव, उमाकांत तिवारी, लोकेंद्र, अनूप सिंह एवं थाना प्रभारी जबेरा एवं चौकी प्रभारी सिंग्रामपुर का विशेष योगदान रहा।

सराफा एसोसिएशन ने पुलिस कर्मियों का किया सम्मान

गत सप्ताह नकाबपोशों से बचाव की वजह बनी गश्त पुलिस

शुजालपुर से मोहम्मद नफीस शुजालपुर। सराफा एसोसिएशन शुजालपुर सिटी द्वारा मंगलवार को बड़ा बाजार में गश्त करने वाले पुलिस कर्मियो का सम्मान किया गया। ज्ञात हो कि दिनांक 10 जुलाई 25 की मध्य रात्रि शहर में कुछ नकाब पोश बदमाश आए थे, जो मुख्य रूप से सराफा बाजार की दुकानों में चोरी के उद्देश्य से आए थे, लेकिन पुलिस कर्मियों द्वारा बड़ा बाजार में सतत गश्त करने को लेकर वो नकाबपोश चोर सराफा बाजार में कोई चोरी नहीं कर पाए। पुलिस के लगातार बड़ा बाजार की ओर घूमते रहने की वजह से ये बड़ी घटना घटित होने से बच गई। इसी वजह से सराफा एसोसिएशन द्वारा पुलिसकर्मियों का सम्मान किया गया एवं बाजार में एक पुलिस सहायता केंद्र स्थापित करने की पहल भी की गई। सराफा एसोसिएशन में मुख्य रूप से राजेश जैन, सुमित सराफ, नरेंद्र चौधरी, मुकेश सोनी, हर्षित धारीवाल, श्रेयांश करनावट, सौरभ भंडारिया सहित आदि व्यापारी वर्ग उपस्थित रहे।

पुलिस अलर्ट DCP जोन 4 जितेंद्र सिंह पवार ने मीडिया को चर्चा के दौरान दी जानकारी

दैनिक खबरों की रोशनी भोपाल। नशा मुक्ति के विरुद्ध आज दिनांक को जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें सभी क्षेत्रीय लोग उपस्थित हुए नशा न करने के लिए जागरूक किया गया थाना छोला मंदिर प्रभारी सुरेश चंद्र नागर और उनकी टीम के द्वारा लोगों को नशे से दूर रहने की दी साला थाने के स्टाफ द्वारा स्कूलों में जाकर बच्चों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया।

नशे से दूरी है ज़रूरी गुलाबगंज में जागरूकता मैराथन का किया गया आयोजन

रंजीत ठाकुर की रिपोर्ट विदिशा। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक मोहर सिंह मंडेलिया के नेतृत्व में थाना गुलाबगंज द्वारा नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान के तहत आज विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुलाबगंज के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर मंत्री गोविंद रघुवंशी के नेतृत्व में शासकीय स्कूल गुलाबगंज से आओ दौड़े हम मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जो शासकीय स्कूल से प्रारंभ होकर मुख्य बाज़ार, रेलवे स्टेशन रोड, बिजासन माता मंदिर होते हुए बर्री चौराहे पर समाप्त हुई। इस दौड़ में लगभग 100 से 120 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद गुलाबगंज के शासकीय स्कूल मैदान में नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करते हुए नशा न करने की शपथ दिलाई गई और समझाइश दी गई। इस दौरान लगभग 30 से 40 लोगों ने भाग लिया। नशे के सौदागरों की सूचना दें, आपकी पहचान रहेगी गोपनीय यदि आपके आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री, संग्रहण या तस्करी हो रही हो, तो तुरंत विदिशा पुलिस की नारकोटिक्स हेल्पलाइन 7587637810 पर सूचना दें। आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी और त्वरित कार्रवाई की जाएगी। जागरूक नागरिक बनें, पुलिस का साथ दें और नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान दें।

ज्वाइंट कलेक्टर श्रीमती मोहिनी शर्मा द्वारा किया गया दस्तक अभियान प्रशिक्षण का निरीक्षण

लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने अधिकारियों को दिए निर्देश कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित

रंजीत ठाकुर की रिपोर्ट विदिशा। होटल ग्रांड अशोका में जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामहित कुमार के निर्देशन में चल रहे दस्तक अभियान प्रथम चरण सह स्टॉप डायरिया कैंपेन का ज्वाइंट श्रीमती मोहिनी शर्मा द्वारा निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। राज्य स्तरीय निर्देशों के पालन में बाल्य मृत्यु दर कम करने के उद्देश्य से विदिशा जिले में दस्तक अभियान प्रथम चरण सह स्टॉप डायरिया कैंपेन कार्यक्रम दिनांक 22 अगस्त 25 से 16 सितंबर 2025 तक स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के समन्वय से संचालित किया जाएगा। अभियान के सफल संचालन हेतु जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राम हित कुमार के निर्देशन में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ डी के शर्मा के समन्वय से जिले के समस्त ए एन एम एवं सी एच ओ को विदिशा के होटल ग्रांड अशोका में प्रशिक्षण दिया जा रहा है । आज दिनांक 16/7/25 को जिला स्तरीय अंतर्विभागीय कार्य शाला का आयोजन ज्वाइंट कलेक्टर श्रीमती मोहिनी शर्मा की अध्यक्षता आयोजित किया गया साथ ही ब्लॉक सिरोंज के सी एच ओ, ए एन एम को दस्तक अभियान सह स्टॉप डायरिया का प्रशिक्षण दिया जा रहा था जिसमें मैडम द्वारा पहुंचकर निरीक्षण कर कार्यक्रम को गंभीरता पूर्वक लेते शत प्रतिशत जीरो से पांच वर्ष तक शत प्रतिशत बच्चों की जांच ,उपचार,प्रबंधन एवं गंभीर बीमार बच्चों को उचित स्वास्थ्य संस्था में रेफर करने के निर्देश दिए।अभियान के दौरान एक लाख शतत्तर हजार नौ सो इक्कीस बच्चों की जांच कर बीमारी की पहचान प्रबंधन कर गंभीर होने पर रेफर किया जाएगा।सभी ब्लॉक के सी एच ओ एवं ए एन एम को जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

अमरवाड़ा में यूरिया खाद नहीं मिलने लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे लोग

हर्रई अमरवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी के साथ शरद सेन की रिपोर्ट। अमरवाड़ा में आज यूरिया खाद नहीं मिलने के कारण किसान अपनी समस्या को लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे जिसमें उन्होंने आपत्ति दर्ज कराई की हम दिन भर से नेमा बीज भंडार और अन्य दुकानों में यूरिया के लिए और सोसाइटी में भी बैठे रहे लेकिन यूरिया खाद नहीं मिलने के कारण लोगों मैं रोड में प्रदर्शन करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे और उनका कहना कि जिस समय में हमको यूरिया खाद मिलना चाहिए उसे समय में नहीं मिल रही है ना ही सोसाइटी में और ना खाद बीज दुकानों में और जिस दुकान में यूरिया खाद मौजूद है वह शासन के द्वारा सील कर दिया गया है विभागी की अधिकारियों ने जिसको लेकरआज किसान रोड पर आ गए और अभी मक्के की फसल में यूरिया को मिलना बहुत जरूरी है उसी को लेकर आज पूरे किसान रोड में प्रदर्शन करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे और उनसे आग्रह किया कि हमें जल्द से जल्द यूरिया खाद उपलब्ध कराई जाए।

यूरिया खाद की किल्लत में मौज करते बड़े खाद के कारोबारी

अधिकारियों से मामला रफादफा करने की लगा रहे जुगाड़

हर्रई छिंदवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी। छिंदवाड़ा पूरा मामला छिंदवाड़ा का है जहां पर बारिश की दस्तक के साथ ही किसान खाद की किल्लत से जूझ रहा है वहीं दूसरी ओर यूरिया खाद की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है ऐसे में खाद के बड़े व्यापारियों होलेसलरों द्वारा खाद की कालाबाजारी जोरों से की जा रही है इन्हें मानो प्रशासन का कोई डर ही नहीं है लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की धर पकड़ भी प्रशंसनीय है और लगातार कार्रवाई से कुछ हद तक प्रशासन ने खाद की कालाबाजारी पर अंकुश भी लगाया है बावजूद इसके कुछ बड़े व्यापारी जिनका जिले में खाद के कारोबार में अपना सिक्का चलाते चलाते ये अब खाद की कालाबाजारी पर उतर आए है ऐसे ही कल एक व्यापारी द्वारा सिवनी रोड स्टेशन के सामने रैक पॉइंट के समीप खाद की 110 बोरी खाद जप्त का मामला सामने आया था इन्होंने अब सुनने में आ रहा है कि कुछ अधिकारियों को सेट करने का प्लान बनाया है जिससे मामले को रफा दफा किया जा सके।

अमरवाड़ा में यूरिया खाद नहीं मिलने लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे लोग शासकीय औद्योगिक परीक्षण संस्था मैं विद्यार्थी शिक्षा से वंचित

संस्था प्रभारी की लापरवाही से विद्यार्थियों को भविष्य अंधकार में

हर्रई अमरवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी के साथ शरद सेन की रिपोर्ट। मरवाड़ा में

एक मात्र शासकीय आईटीआई शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है. शासकीय औद्योगिक परीक्षण संस्था (आईटीआई) में प्रभारी प्राचार्य की मनमानी के चलते से छात्रों का भविष्य अंधकारमय है. प्रचार आईटीआई में उपस्थित नाम मात्र रहते हैं दूसरी ओर शिक्षा की कमी से छात्र शिक्षकों की मांग करते-करते थक गए है. लेकिन इनकी सुनने वाला कोई नहीं हे अमरवाड़ा मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर वाहन सुविधा न होने की छात्राएं संस्था नहीं पहुंच पाते वही विद्युत की आपूर्ति निरंतर रहने से इलेक्ट्रीशियन फिटर कोपा आदि विषयों पर विद्युत के बिना पढ़ाई संभव नहीं खेल मैदान एवं छात्रावास खंडहरों में तब्दील हो गया विद्यार्थी इन सभी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है ऐसी स्थितियों में विद्यार्थी संस्था नहीं पहुंचते जिसके चलते भविष्य अंधकार में वही केंद्र और राज्य की सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अन्य तकनीकों के साथ छात्रों की उज्जवल भविष्य की कामना करती है परंतु अमरवाड़ा शासकीय आईटीआई संस्था विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं देखा जाए तो करोड़ों की लागत से साथ कीआईटीआई बिल्डिंग का निर्माण हुआ परंतु विद्यार्थियों कोई लाभ नहीं मिल रहे।

सिवनी के धूमा क्षेत्र में विकास की नई किरण सांसद

डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते की पहल पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों को पत्र

हर्रई सिवनी दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी के साथ मनीष नाथ की रिपोर्ट। सिवनी धूमा, मध्य प्रदेश- सिवनी जिले की लखनादौन विधानसभा के अंतर्गत आने वाले धूमा क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए क्षेत्रीय सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते ने सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी, मंडल धूमा के अध्यक्ष श्री सतीश सोनू पाराशर द्वारा प्राप्त अनुरोध पत्रों के आधार पर, राज्य के मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों के मंत्रियों को पत्र लिखकर

धूमा में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। यह पहल क्षेत्र में बेहतर पुलिस व्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस थाना धूमा में स्टाफ वृद्धि- डॉ. कुलस्ते ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर पुलिस थाना धूमा में टीआई पद और अन्य आवश्यक स्टाफ की तैनाती का निवेदन किया है, ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अधिक मजबूत हो सके। धूमा में आईटीआई संस्थान की स्वीकृति- तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री श्री गौतम टेटवाल को लिखे पत्र में सांसद ने धूमा में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) स्वीकृत करने का अनुरोध किया है। यह युवाओं को तकनीकी कौशल प्रदान कर रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायक होगा। धूमा में शासकीय महाविद्यालय की स्थापना- उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार से धूमा में शासकीय महाविद्यालय की स्थापना की मांग की गई है, जिससे स्थानीय छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर न जाना पड़े। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन- उपमुख्यमंत्री (लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) श्री राजेंद्र शुक्ल को लिखे पत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धूमा को 30 बिस्तर वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उन्नयन करने का निवेदन किया गया है, जिससे क्षेत्र की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ मिल सकें। सांसद डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते की यह सक्रियता धूमा क्षेत्र के समग्र विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्रियों से इन महत्वपूर्ण मांगों पर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने की अपेक्षा है, जिससे धूमा और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के जीवन स्तर में सुधार आ सके।

थाना बटकाखापा मे नशा मुक्ति जन जागृति अभियान नशे से दूरी है जरूरी,नशा मुक्ति जन जागृति अभियान

15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलेगा अभियान

हर्रई बटकाखापा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी की रिपोर्ट। बटकाखापा जिला छिंदवाड़ा पुलिस अधीक्षक अजय पांडे के निर्देशन में ब्लॉक हर्रई थाना बटकाखापा में मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक पूरे प्रदेश में नशे से दूरी है जरूरी जन जागरूकता अभियान जन सहयोग से चलाई जाने के दिशा निर्देश मध्य प्रदेश पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना एवं उनके वरिष्ठ टीम ने जारी किए हैं इस कार्यक्रम को लेकर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के आदेश पर थाना प्रभारी बटकाखापा द्वारा नशा मुक्ति अभियान को चलाया गया जिसमें थाना बटकाखापा के पदाधिकारियों ने रैली निकाल कर नशा मुक्ति अभियान को आगे बढ़ाया है जिसमें नशा मुक्ति को लेकर लोगों को समझाइश दी वहीं थाना प्रभारी अनिल राठौर ने मीडिया से चर्चा की एवं उन्हें इस पूरे अभियान की जानकारी दी विशेष कर युवा पीढ़ी को नशे से बचाने और जो लोग नशा करते हैं और नशे से जो हानियां नशे करने वालों के परिवार में उठानी पड़ती है या होती हैं उनके विषय में भी जानकारियां दी साथ यह कहा कि हमारा यह अभियान जन भागीदारी के माध्यम से 15 जुलाई से 30 जुलाई तक जाएगा पुलिस युवाओं और सारे नशा करने वालों के लिए एक अच्छी पहल होगी जिसमें उपस्थित थाना प्रभारी बटकाखापा अनिल सिह राठौर,रंजना शर्मा, प्रधान आरक्षक हेमेंद्र कमरे, प्रधान आरक्षक, गणेश तिवारी, आरक्षक,आशीष सिंह, एम,पी बी अधिकारी, प्रकाश सांवले, कमलेश ठाकरे, ग्रामवासी क्षेत्रवासी एवं समस्त थाना पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेहरा समाज महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने राधेलाल भावरकर

हर्रई अमरवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी की रिपोर्ट। छिंदवाड़ा मेहरा समाज महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की गठन प्रक्रिया संपन्न हुई जिसमें मेहरा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी राधे लाल भाबरकर छिंदवाड़ा को मेहरा समाज महासंघ में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया राधेलाल भाबरकर कई वर्षों से समाज सेवा के क्षेत्र से जुड़े हैं उनको राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर सभी सामाजिक बंधुओ इस्ट मित्रों ने शुभकामनाएं दिए।

विश्व हिंदू परिषद् बजरंग दल के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

हर्रई छिंदवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी के साथ अखिल सुर्यवंशी की रिपोर्ट। छिंदवाड़ा श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर सौसर प्रखंड के मोहगाव हवेली मे स्थित अर्धनारीश्वर शिव मन्दिर प्रांगण में चरक आयुर्वेद सेंटर छिंदवाड़ा के विशेषज्ञों की टीम ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर विहिप बजरंग दल के माध्यम से संपन्न किया स्वास्थ शिविर में विभिन्न स्थानों से आए लगभग 173 मरीजों ने अपना स्वास्थ परिक्षण कर निशुल्क दवा का लाभ प्राप्त किया वर्तमान मे बरसात के समय मे ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण का खतरा बड़ जाता है इसी का ध्यान रखते हुए स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया

जिसमे विशेषज्ञ डॉक्टर की टीम

डॉ विनोद यादव जी डॉ रामकुमार आमगोरिया, डॉ योग.दीपक चोरिया,सोनू चोरिया समाज सेवी अखिल सूर्यवंशी आदि डॉ उपस्थित थे जिला मंत्री सुभाष जी गड़ेकर के मार्ग दर्शन और विहिप उपाध्यक्ष अनिल वंजारी जी,प्रखंड मंत्री गणेश प्रजापति जी की उपस्तिथि में सम्पन्न हुआ इस अवसर पर प्रखंड संयोजक लखन पवार,सह संयोजक मनोज पाल,दिव्यांशु कराडे,राज दुर्गे,अनुराग कोसे,नीलू जी,निखिल जी और सभी विहिप अधिकारियों के साथ सभी बजरंगियों का सहयोग रहा।

सलामतपुर तिराहे पर बाइक सवार से दो किलो गांजा बरामद, सांची पुलिस की बड़ी कार्रवाई

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर पकड़ा आरोपी से काले रंग की स्प्लेंडर बाइक भी की जब्त

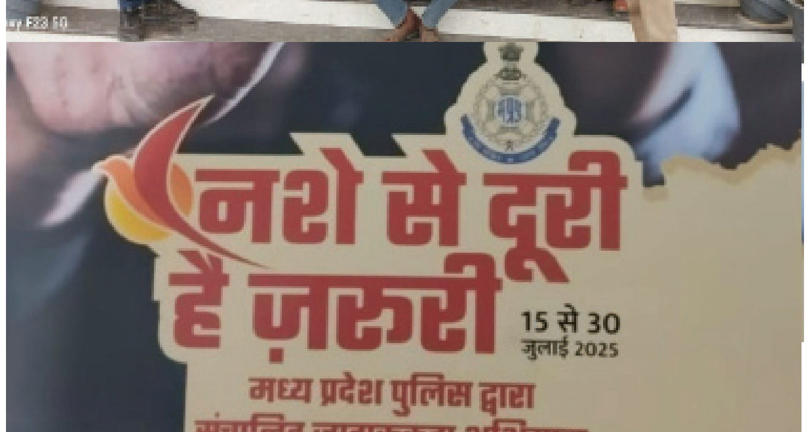

रायसेन से कलीम खान की रिपोर्ट सांची। सांची पुलिस ने नशा कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को दो किलो अवैध गांजा जब्त किया। यह कार्रवाई सलामतपुर तिराहे पर की गई, जहाँ मुखबिर की सूचना के आधार पर एक संदिग्ध बाइक सवार को रोका गया। आरोपी के पास मिले बैग में बड़ी मात्रा में गांजा मिला, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 20,000 बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी तेज रफ्तार में बाइक लेकर निकल रहा था, जिसे घेराबंदी कर सलामतपुर तिराहे पर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से दो किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान ज्ञान सिंह मीणा (53), निवासी रमपुरा, थाना बेरसिया, जिला भोपाल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सांची थाने लाया, जहाँ पूछताछ के बाद एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज किया गया। साथ ही गांजे की तस्करी में प्रयुक्त काली हीरो होंडा स्प्लेंडर को जब्त किया गया है।

मुख्य भूमिका में थाना प्रभारी जेपी त्रिपाठी और टीम

इस कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में तथा एएसपी और एसडीओपी के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। मुख्य भूमिका में थाना प्रभारी जेपी त्रिपाठी, उपनिरीक्षक आनंदीलाल सूर्यवंशी, सउनि कमलसिंह ठाकुर, सउनि चंद्रपाल सिंह, आरक्षक मिथुन सिंह ठाकुर, शैलेंद्र सोलंकी और सैनिक बृजेश शर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। थाना प्रभारी बोले नशा मुक्त समाज के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। थाना प्रभारी जेपी त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस लगातार समाज में नशा मुक्ति अभियान चला रही है। हम ऐसे अवैध कारोबारियों पर पैनी नजर रखे हुए हैं और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। अवैध नशा कारोबार के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री के साथ सुरक्षाकर्मियों की झूमाझटकी

श्रीनगर में सोमवार को जो कुछ देखने को मिला है वह बड़ा आश्चर्यचकित करने वाला है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को शहीद दिवस मनाने को लेकर पहले उन्हें घर पर ही हाउस अरेस्ट किया गया। इसके बाद भी जब वह शहीद दिवस मनाने के लिए जबरदस्ती अपने घर से निकले तो सुरक्षा कर्मियों ने उनको रोकने का प्रयास किया। वह नहीं माने और मंत्रियों के साथ कब्रिस्तान में जाकर 1931 में हुए शहीदों के नाम पर फातिहा पढ़ना चाह रहे थे। उन्हें रास्ते में ही रोक लिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने मुख्यमंत्री के साथ झूमाझपटी की। इसके बाद भी वह रुके नहीं, स्कूटर से वह कब्रिस्तान की ओर रवाना हुए। रास्ते में उन्हें फिर रोक दिया गया। लगभग 1 किलोमीटर पैदल चलते हुए वह नक्शबंद की साहिब कब्रिस्तान पर पहुंचे। कब्रिस्तान का दरवाजा बंद था, वहाँ सुरक्षा कर्मी खड़े हुए थे। उन्होंने दीवाल फांदकर कब्रिस्तान के अंदर प्रवेश किया। वहां उन्होंने शहीदों की याद में फातिहा पड़ा। उसके बाद वह बाहर निकले। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया पर अपने साथ हुए व्यवहार की फोटो और वीडियो पोस्ट की। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया है, उप राज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शहीदी दिवस मनाने से रोकना पूरी तरह गलत था। पिछले कई दशकों से शहीद दिवस पर फातिहा पढ़ने के लिए जाया जाता था। फौत हो चुके बुजुर्गों और शहीदों की याद में फातिहा पढ़ना हमारा अधिकार है। मैं एक निर्वाचित मुख्यमंत्री हूं। मेरे ही राज्य में सुरक्षाकर्मियों द्वारा उप राज्यपाल के आदेश पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के साथ जिस तरह की झूमाझटकी की गई है, उससे ऐसा लगता है, हम स्वतंत्र नहीं हैं। एक गुलाम प्रदेश का निर्वाचित मुख्यमंत्री हूं। जम्मू कश्मीर की सत्ता केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के हाथों में है।

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समय जिस तरह के हालात वहां देखने को मिलते रहे, अब वही हालात जम्मू कश्मीर में देखने को मिल रहे हैं। जम्मू कश्मीर एक स्वतंत्र राज्य था। केंद्र ने पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करके केंद्र शासित प्रदेश के रूप में तब्दील कर दिया है। जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव हो गए हैं। केंद्र सरकार ने पूर्ण राज्य का दर्जा वापस करने के लिए सुप्रीम कोर्ट और

लोकसभा में आश्वासन दिया हुआ है। शहीद दिवस के रूप में कब्रिस्तान में जाकर फातिहा पढ़ना उनका धार्मिक और निजी मामला था। शहीद दिवस मनाने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है, लेकिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फातिहा पढ़ने से कैसे रोका जा सकता था। वह भी इस राज्य के संवैधानिक मुख्यमंत्री के रूप में जब उमर अब्दुल्ला की जिम्मेदारी है। संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोगों के साथ यदि उनके ही सुरक्षाकर्मी तथा उनके ही राज्य की पुलिस इस तरह का व्यवहार करेगी तो संविधान मौलिक अधिकार स्वतंत्रता केंद्र एवं राज्यों के बीच के अधिकार जैसे कई प्रश्न उत्पन्न हो जाते हैं।

कब तक चलेगा डायन करार देकर जघन्य हत्याओं का सिलसिला

मनोज कुमार अग्रवाल

बेशक एक भारतीय शुभांशु शुक्ला धरती की सीमाओं को पार कर अंतरिक्ष की सैर कर रहे हैं लेकिन विज्ञान की इतनी उपलब्धि भी शून्य बन जाती है जब बिहार के एक गांव में एक परिवार के पांच सदस्यों को अंधविश्वास और पाखंड के चलते डायन करार देकर जिंदा जला दिया जाता है। देश के कई हिस्सों में समय समय पर खासकर आदिवासियों और गरीबी से ग्रस्त समुदाय के लोगों को डायन बता कर मार देने का सिलसिला सैकड़ों साल से चल रहा है आजादी के बाद भी हर साल दर्जनों महिलाओं पुरुषों को डायन करार देकर मौत के घाट उतार दिया जाता है।

आपको बता दें बिहार के पूर्णिया जिले के टेटमा गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों को डायन बताकर जिंदा जला दिया जाना आधुनिक भारत के माथे पर एक शर्मनाक धब्बा है। यह घटना किसी एक परिवार की त्रासदी नहीं बल्कि हमारे समाज की उस सामूहिक असफलता की गवाही है जिसमें विज्ञान की उपलब्धियों की चमक के बीच अंधविश्वास का अंधेरा आज भी कई जीवन निगल रहा है। आज भारत विश्व गुरु बनने की बात कर रहा है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों पर करोड़ों का निवेश कर रहा है। एक ओर आर्टिफिशियल इंटेलिजेस और क्वांटम कंप्यूटिंग की दिशा में अग्रसर है लेकिन इन वैज्ञानिक उपलब्धियों का कोई मायने नहीं रह जाते है, जब हमारे गांवों में ही दो सौ से अधिक लोगों की भीड़ एक बीमार बच्चे के लिए किसी परिवार को जिम्मेदार ठहरा कर जादू टोने का इल्जाम लगा कर जिंदा जला कर मार देती है। यह घटना साफ दर्शाती है कि हमारे देश में आज भी कानून व्यवस्था की स्थिति कितनी लचर और बेकार है कि लोग बेखौफ होकर लाचार गरीब अशिक्षित लोगों खासकर महिलाओं के खून से हाथ रंग रहे हैं उन्हें पुलिस कानून किसी का भय नहीं है। भारत में विज्ञान के विस्तार और वैज्ञानिक चेतना के विस्तार के बीच एक गहरी खाई है। हम तरक्की कर रहे है, लेकिन समाज के भीतर वैज्ञानिक सोच नहीं बना पा रहे हैं। डायन प्रथा जैसी बर्बर कुप्रथा आज भी जीवित है।दरअसल हमने शिक्षा को केवल परीक्षा को पास करने का माध्यम बना दिया है। सोचने, तर्क करने और जिज्ञासा से सच्चाई तलाशने का अभ्यास नहीं कर रहे हैं। यह घटना सवाल उठाती है कि आखिर हमारी स्कूल व्यवस्था हमारे सामाजिक जागरूकता अभियान और हमारे जनप्रतिनिमि इस अंधविश्वास से लड़ने में क्यों विफल हो रहे हैं? आज भी बिहार के हजारों गांवों में विज्ञान सिर्फ किताबों तक सीमित है। ग्रामीण स्कूलों में विज्ञान पढ़ाया तो जाता है, लेकिन विज्ञान की दृष्टि यानी आलोचनात्मक और तर्कपूर्ण सोच का विकास नहीं हो पाता। क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि बीमारी किसी डायन के कारण नहीं, बल्कि वैक्टीरिया वायरस, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण होती है? क्या हम गांवों में यह बात पहुंचा पा रहे हैं कि हर प्राकृतिक घटना का वैज्ञानिक कारण होता है और इसका हल किसी ओझा या तांत्रिक के पास नहीं,

डॉक्टर और वैज्ञानिकों के पास होता है। इस हत्याकांड की भयावहता और खुली बर्बरता इस बात की गवाही देती है कि लोगों के मन से पुलिस और कानून का भय खत्म हो चुका है। दो सौ से अधिक लोग एक परिवार को जिंदा जला रहे है और कहीं कोई प्रशासन, कोई हस्तक्षेप, कोई सुरक्षा नहीं है। यह राज्य विहीनता की स्थित्ति है। सरकार की भूमिका केवल एफआईआर मुआवजे तक सीमित रह गई है। हमें स्वीकार करना ही होगा कि यह लड़ाई केवल अपराध से नहीं, बल्कि अज्ञान, भरा और पीढ़ियों से चली आ रहे अंधविश्वास और जादू टोना से है। इसका जवाब केवल कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती, इसके लिए जमीनी स्तर पर एक वैचारिक वैज्ञानिक चेतना अभियान चलाने की जरूरत है। सुझाव दिया जा सकता है कि इसके लिए हर पंचायत में विज्ञान क्लब बनाए जाएं, जिसमें बच्चों, महिलाएं और बुजुर्ग भाग लें और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपने जीवन से जोड़ सके। स्कूलों की पाठ्यपुस्तकों में अंधविश्वास विरोधी अध्ययन शामिल किया जाए और डायन जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध खुलकर चचर्चा हो। जन स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा का गहरा आपस में समन्वय हो ताकि बीमारी की दिशा में लोग ओझा, तांत्रिक के पास नहीं डॉक्टर के पास जाए। पूर्णिया की यह घटना केवल दुखद नहीं एक सामूहिक आत्मग्लानों का क्षण है। यह हमें याद दिलाती है कि अगर हम आधुनिकता और परंपरा के बीच सामंजस्य नहीं बना पाए तो विज्ञान के मंदिरों से निकलकर भी हमें अंधविश्वास के दलदल में फंसे रहेंगे।

भारत के कई राज्यों में महिलाओं को डायन बताकर उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है। महिलाओं को ज़िंदा जलाने, मल खिलाने, बाल काटने और कपड़े उतारकर घुमाने जैसी भयावह घटनाएं रिपोर्ट होती रहती हैं।

झारखंड, असम, राजस्थान, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार सहित कई राज्यों में ये कुप्रथा प्रचलित है। बिहार देश का पहला राज्य है जहां 1999 में डायन कुप्रथा को लेकर क़ानून था। साल 2023 में निरंतर नाम की संस्था ने बिहार के 10 ज़िलों में 118 गांव की 145 सर्वाइवर महिलाओं के बीच सर्वे किया था। इनमें से 97 फ़ीसदी सर्वाइवर महिलाएं पिछड़ी, अति पिछड़ी और दलित समुदाय की थीं।

बिहार में महिलाओं के बीच काम करने वाले संगठन बिहार महिला समाज ने इस मामले के सामने आने के बाद कहा है कि संगठन अपना एक जांच दल 10 जुलाई को पूर्णिया भेजेगा और इस मामले के ख़िलाफ़ पूरे बिहार में आंदोलन करेगा।नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक़ देश भर में 85 लोगों की हत्याएं डायन कुप्रथा की वजह से हुई हैं।

वहीं झारखंड में डायन कुप्रथा के खिलाफ़ काम कर रही संस्था एसोसिएशन फॉर सोशल एंड ह्यूमन अवेयरनेस के संस्थापक अजय कुमार जायसवाल के मुताबिक, बीते 26 साल में झारखंड में 1800 महिलाएं मार दी गईं जिनमें 90 फीसदी आदिवासी हैं। डायन कुप्रथा के ज़्यादातर मामलों में एक-दो व्यक्ति को पुलिस पकड़ती है और एक बड़ा समूह बचकर निकल जाता है। इन मामलों में क़ानून तभी प्रभावी होगा, जब सभी उत्तरदायी लोगों को सज़ा मिलेगी।

मैं सर्वश्रेष्ठ हूं, यह आत्मविश्वास है लेकिन, मैं ही सर्वश्रेष्ठ हूं यह अहंकार !

किशन सनमुखदास भावनानी

पृथ्वीलोक पर सृष्टि में सबसे बुद्धिमान जीव मानव की जब से उत्पत्ति या संरचना हुई है, रचनाकर्ता ने गुण अवगुण का पिटारा भी साथ में सृष्टि पर संलग्न कर दिया,इस सृष्टि पर सर्वश्रेष्ठ प्राणी मानव, अपनी बुद्धि कौशलता के आधार पर उस पिटारे में से चुनकर अपने जीवन यात्रा में सलंग्न करें !मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि पिटारे में कई गुणों के रूप में अच्छाई, आत्मविश्वास, परोपकार, नम्रता, दीनता, शांतिप्रियता, मनोबल, उत्साह जैसे हजारों पुष्प और अवगुणों के रूप में अहंकार, दुष्टता, गुस्सा, मैं मैं, धोखा, कुटिलता, क्रोध, द्वेष, दुष्चक्र रूपी हजारों बेशर्म की पत्तियां समाहित है। परंतु यह सब हम जीवों के ऊपर है कि इसमें सेहम कौनसा अल्टरनेटिव चुनकर अपने जीवन में अप्लाई करते हैं। साथियों बात अगर हम उस पिटारे में मानव द्वारा उठाए गए गुणों रूपी पुष्प, अवगुणों रूपी बेशर्म पत्तियों की करें तो हजारों वर्ष पूर्व आदि-अनादि प्राचीन काल से ही हमें इन दोनों स्वरूपी मानव की चर्चा इतिहास में दर्ज पढ़ने को मिली है, जिसका भारतीय स्तरपर राम-रावण कृष्ण-कंस वैश्विक स्तरपर हिटलर, अनेक तानाशाह सहित अनेक हमारे सामने उदाहरण हैं जो आज तक के युग में भी आधुनिक मानव इसी तर्ज पर भी हैं और आगे भी होते रहेंगे, बस हम इस आर्टिकल द्वारा सीखना है कि उस पिटारे में से हमें पुष्प ही चुनकर लेनाहै न कि बेशर्म की पत्तियां हर उदाहरण में मेरा पक्ष सकारात्मकता की ओर है। साथियों बात अगर हम आज के विषय आत्मविश्वास और अहंकार की करें तो इन दोनों शब्दों में ही पिटारे के गुण- अवगुण का मूल समाया हुआ है सबसे पहले हम चर्चा आत्मविश्वास की करेंगे कि हर व्यक्ति को यह पुष्प उसके जीवन की सफ़लता के हर पड़ाव पर अत्यंत जरूरी है उसे सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए आत्मविश्वास उसकी सफ़लता की पहली सीढ़ी है जिसके सहारे वह आगे बढ़ने में सक्षम होगा साथियों आत्मविश्वास मनुष्य के अंदर ही समाहित होता है। आपको इसे कहीं और अन्य जगह से लाने की जरूरत नहीं है। यह आपके अंदर ही है, बस जरूरत है अपने अंदर की आंतरिक शक्तियों को इकठ्ठा कर अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की, वर्तमान समय में अगर हमें कुछ पाना है, किसी भी क्षेत्र में कुछ करके दिखाना है, जीवन को खुशी से जीना है, तो इन सबके लिए आत्मविश्वास का होना परम आवश्यक है। आत्मविश्वास में वह शक्ति है जिसके माध्यम से हम कुछ भी कर सकते है। आत्मविश्वास से हमारी संकल्प शक्ति बढ़ती है और संकल्प शक्ति से बढ़ती है हमारी आत्मिक शक्ति।

साथियों बात अगर हम आत्मविश्वास के बल पर वैश्विक प्रसिद्ध महामानव द्वारा अपने विज़न की सफलताओं की करें तो, इसी आत्मविश्वास ने कोलंबस को अमेरिका की खोज़ में सहयोग दिया था। नेपोलियन ने इसी शक्ति से ओतप्रोत होकर अपने सेनापति से कहा था कि यदि आल्पस पर्वत हमारा मार्ग रोकता है तो वह नहीं रहेगा और सचमुच उस विशाल पर्वत को काटकर रास्ता बना लिया गया। महात्मा गांधी भी इस आत्मविश्वास के बल पर सत्य और अहिंसा के अस्त्र बनाकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े।

फीचर

अधिक वजन की महिलाओं को फायब्रॉइड का खतरा

अधिक वजन वाली महिलाओं को फायब्रॉइड (गांठ) का खतरा बना रहता है। शुरुआत में रोग के लक्षण नहीं दिखते। मुख्य रूप से लक्षण फायब्रॉइड के आकार, संख्या या वह गर्भाशय की किस दीवार पर है इसपर निर्भर करता है।

गर्भाशय की मांसपेशियों में वृद्धि होकर गांठ का रूप ले लेना यूट्रस फायब्रॉइड की समस्या है। ज्यादातर मामलों में ये गांठें कैंसर की नहीं होती हैं पर कुछ मामलों में ये कैंसर में बदल सकती हैं। सोनोग्राफी से इसके आकार व जगह का पता चलता हैं। जगह के अनुसार माहवारी अधिक या इस दौरान रक्त के ज्यादा थक्के निकलना जैसे समस्या होती है। खून की कमी से थकान व कमजोरी रहती है। यूरिन संबंधी परेशानी भी हो सकती है।

हार्मोन्स में गड़बड़ी फायब्रॉइड की मुख्य वजह है। विशेषकर अधिक वजन, अधिक उम्र, गर्भनिरोधक दवाएं लेने व गर्भवती महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन ज्यादा स्त्रावित होने से फायब्रॉइड बनने लगाता है। गंभीर स्थिति में किडनी में सूजन आ जाती है।

40 से अधिक उम्र की जो महिलाएं बच्चा चाहती हैं उनमें इस गांठ को निकाल देते हैं। वहीं, अधिक उम्र में यूट्रस को पूरी तरह से बाहर निकालना एक विकल्प है। आयुर्वेद में लक्षणों के साथ गांठ के आकार को बढने से रोकने पर इलाज होता है। इसके लिए रोगी को जौ का दलिया, सत्तू व रोटी, शाली चावल घी संग खीर बनाकर, गुलाब की पंखुडियां या धागामिश्री खाने को देते हैं। शोधन चिकित्सा में वमन, विरेचन कराते हैं। इमरजेंसी में जब महिला को सामान्य से अधिक ब्लीडिंग हो तो हेमामिलिस, कार्बोनेज दवा अन्य लक्षण, रोगी की स्थिति व गांठ की जगह देखकर देते हैं।

गर्भधारण के अलावा जिनकी फैलोपियन ट्यूब के नजदीक, ग्रीवा के मुंह पर यदि फायब्रॉइड हैं तो इंफर्टिलिटी का खतरा रहता है। गर्भावस्था के साथ यदि फायब्रॉइड हों तो गर्भपात होने की आशंका रहती है।

डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

ललित गर्ग

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रूपये के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल

ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पर्दापाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था। आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड़यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाज़ार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए। इस संकट की घड़ी में डिजिटल लेन-देन एक बड़ी राहत और समाधान बनकर उभरा है।

यूपीआई, भीम मोबाइल वॉलेट्स, नेट बैंकिंग और कार्ड पेमेंट्स जैसे साधन नकली नोटों की समस्या को जड़ से समाप्त करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल लेन-देन के लाभ ही लाभ है, पूर्ण पारदर्शिता यानी हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड होता है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आती है। कर चोरी, हवाला, और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी काली प्रवृत्तियाँ समाप्त होती है। नकली मुद्रा की संभावनाओं पर विराम लगता है, जिससे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड़यंत्र एवं साजिशें नाकाम होती है। लेन-देन सेकंडों में पूरा होता है और उनमें सरलता भी रहती है। पासवर्ड आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लेन-देन सुरक्षित रहता है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचता है, पैसा सीधे उनके खातों में पहुँचता है, बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने हर मंच पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने की बात कही है। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को मोबाइल बैंकिंग, क्यूआर कोड, और कार्ड से भुगतान की शिक्षा देने की मुहिम चलाई है। इसका असर यह है कि आज भारत यूपीआई ट्रांजैक्शन में दुनिया में नंबर 1 है। डिजिटल इंडिया गरीब को ताकत देता है, मिडल क्लास को सुविधा देता है और राष्ट्र को मजबूती देता है। भारत की असली शक्ति अब डिजिटल प्रचलन बन रही है, जहाँ एक बटन से करोड़ों का ट्रांजैक्शन सुरक्षित होता है। मोदी की डिजिटल क्रांति ने भारत को इक्कीसवीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत आधार दे दिया है।

प्रेरणा

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला- रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है।

अपनी बात

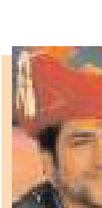

बागेश्वर धाम के प्रमुख और कथावाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने छांगुर बाबा द्वारा कथित धर्मांतरण के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छांगुर बाबा ने धर्म की आड़ में कई महिलाओं का शोषण किया, गंदे कृत्यों को अंजाम दिया और हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराया। धीरेंद्र शास्त्री ने अपने बयान में हिंदू समुदाय को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत में अभी बाबा वाद बहुत चल रहा है।

पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी की प्राथमिकता एनडीए और बीजेपी को रोकना है। पप्पू यादव ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम को बड़ी भूमिका सौंपे जाने की बात कही और उन्हें संभावित मुख्यमंत्री चेहरों में से एक बताया। इसके साथ ही उन्होंने तारिक अनवर का नाम भी प्रस्तावित किया, जिससे तेजस्वी यादव की उम्मीदवारी पर सवाल उठ गए। पप्पू यादव के इस बयान ने महागठबंधन में दरार की अटकलों को हवा दी है, जबकि राजद ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी यादव ही उनके नेता रहेंगे।

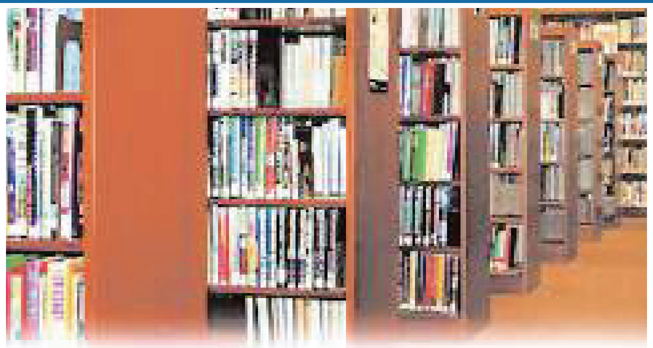

किताबों से करते हैं प्यार, तो बनाएं लाइब्रेरी साइंस में कॅरियर

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है।

आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र-पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ़ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

क्या होता है काम

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से बेइंतहा प्यार होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नहीं है तो यह क्षेत्र आपके लिए नहीं है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा,

ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी तरह, मास्टर्स डिग्री करने के लिए लाइब्रेरी साइंस में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

संभावनाएं

अगर आप समझते हैं कि लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद आप सिर्फ लाइब्रेरियन ही बन सकते हैं, तो आप गलत है। इस कोर्स को करने के बाद आप इनफॉर्मेशन रिसोर्स स्पेशलिस्ट, रिसर्चर, मेटा-डेटा स्पेशलिस्ट और डॉक्यूमेंट स्पेशलिस्ट के तौर पर भी काम कर सकते हैं। लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद छात्रों को लाइब्रेरी के अलावा, गैलरीज, इंफार्मेशन एंड डाक्यूमेंटेशन सेंटर्स, पब्लिशंगि हाउस आदि में आसानी से काम मिल जाएगा। वैसे आप चाहें तो बतौर रिसर्च कंसल्टेंट भी काम कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- डीबीएस कॉलेज, गोविन्द नगर
- राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर
- बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस
- डीजी कॉलेज, सिविल लाइंस
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, अन्नामलाई नगर
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी
- माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जर्निलज्म, भोपाल

हिन्दी भाषा में डिग्री प्राप्त करने के बाद यहां बनाएं कॅरियर

आज के समय में हिन्दी न्यूजपेपर से लेकर मैगजीन व न्यूज चैनल्स को काफी महत्व दिया जाता है। आप भी हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं और बतौर एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर, रिपोर्टर आदि बन सकते हैं।

यह सच है कि हमारे देश में अंग्रेजी भाषा को काफी महत्व दिया जाता है, लेकिन इससे हिन्दी भाषा की महत्ता कम नहीं हो जाती। पिछले कुछ समय में हिन्दी के महत्व को दोबारा समझा जाने लगा है। हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जो सदियों से चली आ रही है और वर्तमान में यह दुनिया की चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत में, हिंदी राष्ट्र की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है। अगर आपको हिन्दी भाषा से प्रेम है और आपने हिन्दी में बीए या एमए किया है तो आप टीचिंग के अलावा भी कई क्षेत्रों में खुद को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पत्रकारिता

आज के समय में हिन्दी न्यूजपेपर से लेकर मैगजीन व न्यूज चैनल्स को काफी महत्व दिया जाता है। आप भी हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं और बतौर एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर, रिपोर्टर आदि बन सकते हैं। अगर आप घर बैठकर ही कमाई करना चाहते हैं और हिन्दी भाषा में पकड़ के साथ-साथ आपका लेखन भी अच्छा है तो आप किसी ऑनलाइन हिन्दी वेबसाइट के लिए भी घर बैठकर लिख सकते हैं।

सरकारी नौकरी

सरकारी नौकरी प्राप्त करना अधिकतर लोगों का सपना होता है। आप बीए हिन्दी व एमए हिन्दी करने के बाद केन्द्रीय व राज्यों सेवाओं के अतिरिक्त एसएससी और पीएसयू में भी आवेदन कर सकते हैं।

स्क्रीन राइटिंग

बॉलीवुड फिल्म जगत और टेलीविजन शो में ऐसे राइटर्स की खासी डिमांड होती है, जिनका हिन्दी ज्ञान अच्छा हो। यहां तक कि ऑनलाइन जगत जैसे नेटफ्लिक्स और अमेजॅन पर भी हिन्दी टीवी शोज प्रसारित किए जा रहे हैं। अगर आप हिन्दी में अच्छे हैं तो आप प्रॉडक्शन हाउस, मीडिया हाउस में स्क्रप्टि राइटिंग, डायलॉग्स या लिरिक्स भी लिख सकते हैं। लेकिन अगर आप स्क्रीन राइटर बनना चाहते हैं तो आपको बीए हिन्दी करने के बाद स्क्रीन राइटिंग कोर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करनी होगी ताकि आपके भीतर लेखन की अच्छी समझ विकसित हो सके।

अनुवादक

यह भी एक मजेदार करियर ऑप्शन है, जिसमें आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती और अगर आप चाहें तो घर बैठकर अपनी सुविधानुसार काम कर सकते हैं। एक बेहतरीन अनुवादक बनने के लिए आपकी हिन्दी के साथ-साथ किसी अन्य दूसरी भाषा पर भी पकड़ अच्छी होनी चाहिए। चूंकि आजकल हर कंपनी खुद को बेचना चाहती है, लेकिन भारत में बहुत से लोग अंग्रेजी या अन्य भाषा नहीं समझते, इसलिए अधिकतर कंपनियां अपना कंटेंट हिन्दी में मुहैया कराने के लिए टांसलेटर्स की मदद लेती है।

कुछ रोमांचक करने की चाहत है तो बनें पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर

आजकल लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं।

जब भी लोगों की छुट्टियां होती हैं तो वह कुछ अलग और रोमांचक करना चाहते हैं। ऐसे में उनके मन में सबसे पहले पैराग्लाइडिंग करने का ख्याल आता है। जमीन से कई फुट ऊपर उड़ने की चाहत भले ही लोगों के मन में हो, लेकिन इसे बिना इंस्ट्रक्टर की मदद के नहीं किया जा सकता। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं, जो आम लोगों को भी कुछ ही देर में आसमान में उड़ने के लिए टेंड करते हैं। जिस तरह लोगों के मन में कुछ रोमांचक करने की चाहत बढ़ती जा रही हैं, उसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर की जरूरत भी काफी अधिक महसूस की जाने लगी है।

क्या होता है काम

आजकल लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं। वह उन्हें छोटी से छोटी बारीक बातों की भी जानकारी देते हैं ताकि आम पैराग्लाइडर के साथ कोई अनहोनी घटना न हो। वह ग्राउंड लेवल से लेकर 100 फुट से 1000 फुट तक उंचाई में उड़ने का अभ्यास कराते हैं। कुछ नए पैराग्लाइडर काफी डरते हैं, ऐसे में उनके मन से डर निकालने का काम भी एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का ही होता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में कुछ विशेष स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो आपका निडर, हमेशा कुछ एडवेंचर्स करने की चाहत होनी चाहिए। यह नौ से पांच की जॉब नहीं है और कई बार छुट्टियों में आपको कई दिन घर से भी दूर रहना पड़ता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में केवल वही व्यक्ति टिक सकता है, जो साहसी, निडर, धैर्यवान व समझदार हो और वह शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत हो। कई बार खराब मौसम आपको चोटिल कर सकता है, इसलिए पैराग्लाइडिंग की टेक्निक जानने के साथ-साथ आपको मौसम व पर्यावरण की समझ भी होनी चाहिए। अपने काम के दौरान आपको कई तरह के लोगों को डील करना होता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छे होने चाहिए और लोगों को गाइड करने की भी क्षमता होनी बेहद जरूरी है।

योग्यता

एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आप दसवीं या बारहवीं के बाद इससे संबंधित कोर्स व उचित टेनिंग लें। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें सिर्फ कोर्स करना काफी नहीं है, बल्कि आपको नियमित अभ्यास की जरूरत होती है। जब आप एक कुशल पैराग्लाइडर बन जाते हैं, तभी आप अपना करियर शुरू करें। पैराग्लाइडिंग में कुशलता हासिल करने के बाद आप किसी टूरिस्ट कंपनी, हॉलिडे रिसॉर्ट, आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो किसी फेमस टूरिस्ट स्पॉट पर खुद का टेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं। जहां पर आप नए पैराग्लाइडर को दो-तीन दिन की टेनिंग देकर उड़ने के लिए सक्षम बना सकते हैं।

आमदनी

एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर के रूप में आप शुरूआती तौर पर 15 से 20 हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी बढ़ती जाती है। वहीं अगर आप खुद को टेनिंग स्कूल खोलते हैं तो आपकी आमदनी आपके काम पर निर्भर करेगी।

प्रमुख संस्थान

- **अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड पैराग्लाइडिंग**
- **इंस्टीटयूट ऑफ पैराग्लाइडिंग एंड पैरामोटरिंग, पुणे**
- **पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गोवा**
- **निर्वाण एंडवेचर्स एयरप्ले पैराग्लाइडिंग स्कूल,**
- **इंडस पैराग्लाइडिंग स्कूल, कमशेट, मुंबई**

मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं। आज के समय में युवा नौ से पांच की नौकरी करना पसंद नहीं करते, बल्कि वह कुछ रोमांचक और अलग करना चाहते हैं।

समुद्री जीवन में रखते हैं रूचि तो बनाएं मरीन बायोलॉजी में कॅरियर

एक मरीन बायोलॉजिस्ट को समुद्री जीव विज्ञान का अध्ययन करना होता है। वह सिर्फ समुद्र के भीतर रहने वाले जीवों के जीवन और आवास पर ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि समुद्र के भीतर पेड़-पौधों का भी अध्ययन करते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं। आज के समय में युवा नौ से पांच की नौकरी करना पसंद नहीं करते, बल्कि वह कुछ रोमांचक और अलग करना चाहते हैं। अगर आप भी कुछ थ्रिलिंग करने में विश्वास रखते हैं और समुद्री जीवन का रहस्य आपको अपनी ओर आकर्षित करता है तो आप मरीन बायोलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। यह एक ऐसा कॅरियर विकल्प है, जो काफी अलग है, इसलिए अगर आप इस क्षेत्र में जाने की सोच रहे हैं तो आपको इसके बारे में अच्छी तरह पता होना चाहिए

क्या होता है काम

एक मरीन बायोलॉजिस्ट को समुद्री जीव विज्ञान का अध्ययन करना होता है। वह सिर्फ समुद्र के भीतर रहने वाले जीवों के जीवन और आवास पर ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि समुद्र के भीतर पेड़-पौधों का भी अध्ययन करते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं।

स्किल्स

अगर आप भी इस क्षेत्र में खुद को स्थापिक करने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले आपमें समुद्री जीवन व उसके बारे में विस्तार से जानने की गहरी रूचि होनी चाहिए। इसके अलावा आपका शारीरिक व मानसिक तौर पर काफी मजबूत होना जरूरी है। इस क्षेत्र में काम का कोई निश्चित समय नहीं होता और इसलिए आपको इसके लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करना चाहिए। इसके अलावा इस क्षेत्र में आपके भीतर ऑब्जर्वेशन स्किल भी बेहतरीन होनी चाहिए ताकि आपके द्वारा की गई रिसर्च काम आ सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपके पास बैचलर डिग्री या मास्टर डिग्री होनी चाहिए। वहीं अगर आप कहीं पर बतौर फैकल्टी पढ़ाना चाहते हैं तो आपके पास इस क्षेत्र में डॉक्टरल डिग्री होनी चाहिए।

बहुत से संस्थान मरीन बायोलॉजी में विभिन्न कोर्स करवाते हैं। वैसे अगर आप चाहें तो बायोलॉजी, जूलॉजी, फिशरीज, ईकोलॉजी और एनिमल साइंस में बैचलर डिग्री प्राप्त करने के बाद कदम बढ़ा सकते हैं।

कोर्स करने के बाद छात्र सरकारी नौकरी कर सकते हैं या फिर आप एन्वार्यनमेंटल लैबोरेट्रीज, वॉटर इंडस्ट्रीज, कोस्टल अथॉरिटीज के साथ जुड़कर में भी काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, कुछ समय के अनुभव के बाद आप विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी यूनिवर्सिटी और शोध संस्थानों में बतौर लेक्चरार भी पढ़ा सकते हैं। वैसे कोर्स के बाद आप विदेशों में भी आसानी से करियर की राहें तलाश सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपकी शुरूआती आमदनी 15000 से 25000 के बीच होती है। इसके बाद आपका अनुभव बढ़ने के साथ आमदनी में भी इजाफा होता है।

प्रमुख संस्थान

- द नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफ
- आईआईटी मद्रास
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़
- कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- अन्नामलई यूनिवर्सिटी, अन्नामलई नगर
- गोवा यूनिवर्सिटी, पणजी

ब्रीफ न्यूज

न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में मूसलधार बारिश से बाढ़, आपातकाल घोषित

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर और उत्तरी न्यू जर्सी में सोमवार को भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बन गई, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालात की गंभीरता को देखते हुए न्यू जर्सी के गवर्नर फिल मर्फी ने देर रात आपातकाल की घोषणा की। गवर्नर मर्फी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि राज्य के कई हिस्सों में अचानक बाढ़ और भारी बारिश को देखते हुए मैं आपातकाल घोषित कर रहा हूं। कृपया घरों में रहें और अनावश्यक यात्रा से बचें। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने न्यूयॉर्क शहर के सभी पांच बरो के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की है। सोमवार शाम तक स्टेटन आइलैंड में 1.67 इंच और मैनहट्टन के चेल्सी क्षेत्र में 1.47 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। न्यूयॉर्क सिटी इमरजेंसी मैनेजमेंट ने खासकर बेसमेंट अपार्टमेंट में रहने वालों को सतर्क रहने और आवश्यक तैयारी करने की सलाह दी है। पोस्ट में कहा गया कि रात के समय भी अचानक बाढ़ आ सकती है, इसलिए फोन, टॉर्च और ज़रूरी सामान का बैग तैयार रखें और ऊंचे स्थान की ओर जाने के लिए तत्पर रहें। शहर में अभी और बारिश की संभावना जताई गई है।

खुद के शौक पूरे करने के लिए बच्चे पैदा करती थी महिला, पुरुषों से बनाती थी संबंध

बीजिंग। दक्षिणी चीन के गुआंग्शी प्रांत की रहने वाली एक महिला ने दूसरे पुरुषों से संबंध बनाकर बच्चे पैदा करना और उन्हे बेचना धंधा बना लिया था। इससे जो भी पैसे मिले थे उससे महिला अपने निजी शौक पूरे करती थी।आरोपी की पहचान 26 वर्षीय हुआंग के रूप में हुई है, जो मूल रूप से दक्षिणी चीन के गुआंग्शी प्रांत की रहने वाली है और उसने केवल प्राथमिक स्कूल तक शिक्षा हासिल की है। बाद में हुआंग दक्षिण-पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के फूज़ौ में चली गई और छोटे-मोटे काम करके अपना जीवनयापन किया। अक्टूबर 2020 में, उसने अपने पहले बेटे को जन्म दिया। लेकिन आर्थिक तंगी और पिता की गैर-मौजूदगी के कारण उसे अपने बेटे की देखभाल करने में कठिनाई हो रही थी। इसलिए, उसने अपनी परेशानी से बचने के लिए बच्चे को बेचने का फैसला किया।

कनाडा में खालिस्तानियों ने रथयात्रा पर फेंके अंडे, भारत ने चिंता व्यक्त की

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो शहर में जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान सनातनियों पर फेंके गए अंडों का एक वीडियो वायरल हुआ है। इस शांतिपूर्ण रथ यात्रा जुलूस में एक हाई राइजिंग इमारत से लोगों ने कथित तौर पर अंडे फेंके। यह घटना पूरी दुनिया के सामने तब आया, जब एक महिला ने इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया। महिला ने वीडियो में रथयात्रा, श्रद्धालुओं पर फेंके गए अंडे और फेंकने वालों की वीडियो दिखाई। उधर भारत सरकार ने इस घटना पर कनाडा के समक्ष औपचारिक रूप से चिंता व्यक्त की है और आग्रह किया है कि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना को घृणित और अफ़सोसजनक बताया है।

1.7 किलोमीटर लंबा टर्मिनल-1 दुनिया के सबसे लंबे टर्मिनलों में से एक

समुद्र पर बना दुनिया का मशहूर कंसाई एयरपोर्ट धीरे-धीरे पानी में समा रहा

एजेंसी ■ टोकियो

दुनियाभर में क्लाइमेट चेंज का असर हो रहा है और इससे जापान भी अछूता नहीं है। जापान के तकनीकी रूप से कल्पनाशील एयरपोर्ट कंसाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर क्लाइमेट चेंज का बड़ा और चिंताजनक प्रभाव देखने को मिला। साल 1994 में बना यह एयरपोर्ट जो दुनिया का पहला पूरी तरह समुद्र के बीच कृत्रिम द्वीपों पर बनाया गया था अब धीरे-धीरे समुद्र के आगोश में समाता जा रहा है।

कंसाई एयरपोर्ट को जिस सॉफ्ट सीबेड पर बनाया गया था वो अब धंस रहा है। बीते तीन दशकों में एयरपोर्ट का पहला द्वीप 13.6 मीटर तक जबकि दूसरा द्वीप 17.47 मीटर तक पानी के नीचे धंस चुका है। आंकड़े बताते हैं कि यह अब भी हर साल 6 सेंटीमीटर तक धंस रहा है जिससे यह विशालकाय एयरपोर्ट धीरे-धीरे समुद्र में समा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंसाई एयरपोर्ट के भविष्य को लेकर विशेषज्ञों ने गंभीर चेतावनी दी है। यदि इसके पानी में सामने की दर इसी तरह जारी रही तो 2056 तक एयरपोर्ट का कुछ हिस्सा पूरी तरह से समुद्र में समा जाएगा। यह जापान और वैश्विक विमानन उद्योग के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। करीब 20 अरब डॉलर यानी 1.6 लाख करोड़ रुपए की लागत से बने इस एयरपोर्ट का डिज़ाइन मशहूर आर्किटेक्ट रेंजो पियानो ने तैयार किया था। इसका 1.7 किलोमीटर लंबा टर्मिनल-1 दुनिया के सबसे लंबे टर्मिनलों में से एक है। निर्माण के समय इसे भविष्य की ज़रूरतों के अनुरूप बेहद टिकाऊ और लचीला माना गया था, लेकिन अब क्लाइमेट चेंज, समुद्र के बढ़ते स्तर और समुद्री उतार-चढ़ाव इसके सामने नई चुनौतियां बन रहे हैं। इस एयरपोर्ट के बुनियादी ढांचे की कमजोरियां सबसे पहले 2018 में टाइफून जेबी के दौरान उजागर हुईं जब कंसाई एयरपोर्ट पूरी तरह से पानी में डूब गया था। इस घटना के बाद 150 मिलियन डॉलर यानी करीब 1200 करोड़ रुपए का एक विशाल बचाव अभियान शुरू किया गया था। इंजीनियरों ने 900 हाइड्रॉलिक जैक, सीवॉल्स और वर्टिकल सैंड ड्रेन्स जैसी तकनीकों का उपयोग करके धंसाव को नियंत्रित करने की कोशिश की। 2024 तक औसत सालाना धंसाव को कई हिस्सों में 6 सेंटीमीटर तक सीमित करने में कुछ हद तक सफलता मिली है।

ट्रंप ने पुतिन को चेताया कहा-

50 दिन में युद्ध खत्म करो, वरना ठोंक देंगे 100 प्रतिशत टैरिफ

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

रूस और यूक्रेन का युद्ध लंबे समय से चल रहा है। कई बार शांति के प्रयास हो चुके हैं। इस बार अमेरिका ने रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दो टूक कह दिया है कि 50 दिन के भीतर जंग खत्म करो वरना 100 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। ट्रंप ने कहा कि वह केवल इतना चाहते हैं कि युद्ध खत्म हो जाए। रूस को भी युद्ध छोड़कर व्यापार पर फोकस करना चाहिए। नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट से ओवल ऑफिस में बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने यह बात कही है।

ट्रंप ने कहा, रूस अगर मेरी बात नहीं सुनता है तो उसे दुनियाभर में अलग-थलग करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। रूस के आर्थिक सहयोगियों पर भी अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यूरोप का मजबूत रहना जरूरी है। ऐसे में अगर यूरोपीय देश अमेरिका से सैन्य उपकरण खरीदते हैं और यूक्रेन को ट्रांसफर करते हैं तो उन्हें

कोई आपत्ति नहीं है।वाइट हाउस ने ट्रंप के बयान को स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्होंने रूस को 100 पर्सेंट टैरिफ की चेतावनी दी है। वहीं सेकंड्री टैरिफ से मतलब है कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भी अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। बताते चलें कि भारत भी उन देशों में शामिल है जो रूस से तेल का आयात करते हैं।कई बार पहले भी अमेरिका भारत के रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति जता चुका है। हालांकि भारत ने हर बार देशहित की बात करके अमेरिका की बात मानने से इनकार कर दिया।

यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइलें देगा अमेरिका

यूक्रेन और रूस के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल कीथ केलॉग ने सोमवार को कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। डोनाल्ड ट्रंप ने यह पुष्टि की है कि अमेरिका यूक्रेन को रूस के तेज होते हवाई हमलों से बचाने के लिए कीव को अमेरिका-निर्मित पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलें भेज रहा है, जिसकी उसे सख्त जरूरत है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने और केलॉग ने यूक्रेनी वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने, संयुक्त हथियार उत्पादन और यूरोपीय देशों के साथ मिलकर अमेरिकी हथियारों की खरीद के साथ-साथ रूस पर कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की संभावना के बारे में एक उपयोगी बातचीत की।

तो भारत और पाकिस्तान में एक सप्ताह के भीतर शुरु हो जाता परमाणु युद्धः ट्रंप

वॉशिंगटन। एक बार फिर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रोकने का क्रेडिट लेने की कोशिश की हैं। हालांकि भारत लगातार इस दावे को खारिज करता रहा है कि संघर्ष विराम में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका थी। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा, हम युद्ध रुकवाने में काफी सफल रहे हैं। भारत और पाकिस्तान को देख लें... जिस तरह से चल रहा था, वैसे भारत और पाकिस्तान में एक और सप्ताह में परमाणु युद्ध छिड़ जाता। वो बहुत बुरी तरह से चल रहा था। हमने उसे व्यापार की मदद से सुलझाया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद जारी संघर्ष के बीच पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा था।

जेलेंस्की ने यूक्रेन का समर्थन और युद्ध खत्म करने के प्रयासों के लिए ट्रंप का माना आभार

एजेंसी ■ कीव

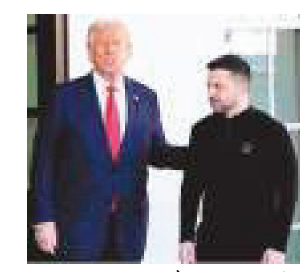

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेन का समर्थन करने और रूस के साथ युद्ध खत्म करने के प्रयासों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार माना है। जेलेंस्की ने इसे बहुत अच्छी बातचीत बताया और जारी संघर्ष के बीच स्थायी और न्यायपूर्ण शांति हासिल करने में ट्रंप की रुचि का स्वागत किया। जेलेंस्की ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप से बात की है। यूक्रेन का समर्थन करने और हत्याओं को रोकने व एक स्थायी और न्यायपूर्ण शांति स्थापित करने को लेकर मिलकर काम करने की इच्छा के लिए धन्यवाद। ट्रंप ने नाटो महासचिव के साथ अपनी बैठक के बारे में जानकारी साझा की। यह अहम है कि हमारे बीच इतने अच्छे संबंध हैं और गठबंधन देश अपने रक्षा खर्च को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। जेलेंस्की ने लिखा- हमने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उन जरूरी उपायों और समाधानों पर चर्चा की जिनसे लोगों को रूसी हमलों से बेहतर सुरक्षा मिले और हमारी स्थिति मजबूत हो सके। हम शांति हासिल करने के लिए यथासंभव काम करने को तैयार हैं। हमने भविष्य में फोन पर ज्यादा से ज्यादा बात करने और अपने कदमों का समन्वय करने पर सहमति जताई है। धन्यवाद मिस्टर प्रेसिडेंट! धन्यवाद अमेरिका! यह टिप्पणी ट्रंप के सोमवार को रूस से तेल, गैस और यूरेनियम आयात करने वाले देशों पर 100 फीसदी का टैरिफ लगाने की धमकी के बाद आई है। ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म करने में रूस की हठधर्मिता से नाखुश हैं। व्हाइट हाउस में नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बात करते हुए ट्रंप ने रूस को यूक्रेन के साथ शांति समझौता न करने की स्थिति में दंडात्मक शुल्क लागू करने के लिए 50 दिनों की डेडलाइन दी है। उन्होंने कहा कि हम रूस से नाराज हैं। हम बहुत सख्त टैरिफ लगाने जा रहे हैं। अगर 50 दिनों में कोई समझौता नहीं हुआ, तो करीब 100 फीसदी टैरिफ लगाए जाएंगे, जिन्हें आप सेकेंडरी टैरिफ कह सकते हैं।

इजरायल के जंगी टैंक पर गिरा रॉकेट, 3 सैनिकों की मौके पर ही मौत

एजेंसी ■ तेलअवीव

इजरायल गाजा में अपने हमले रोक नहीं रहा है और हमास भी युद्धविराम की शर्तों पर सहमत नहीं हो रहा है। इसी बीच इजरायल के 3 सैनिकों की मौत युद्ध क्षेत्र में हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार, ये सैनिक ग़ाज़ा में चल रहे ज़मीनी अभियानों के दौरान मारे गए, जो इस क्षेत्र में जारी संघर्ष का हिस्सा हैं।इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में मारे गए तीन इजरायली सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सम्मान में शोक संदेश जारी किया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने बयान में कहा कि इन वीर सैनिकों ने देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है, और पूरा राष्ट्र उनके इस साहसिक योगदान को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने परिजनों के प्रति गहरी संवेदना भी व्यक्त की और कहा कि सरकार और पूरा देश इस दुःख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। इजरायली सेना

ने पहले यह आशंका जताई थी कि उनकी टैंक पर हमास के आरपीजी हमले से विस्फोट हुआ था, लेकिन अब सेना का मानना है कि यह घातक विस्फोट टैंक के टर्रेट के अंदर एक खराब गोले के फटने की वजह से हुआ। इस हादसे में तीन इज़रायली सैनिकों की मौत हो गई थी और एक अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुआ था। जांच के बाद सामने आया है कि यह हमला बाहरी नहीं बल्कि आंतरिक तकनीकी गड़बड़ी का नतीजा हो सकता है। सेना अब इस घटना की विस्तृत तकनीकी जांच कर रही है ताकि भविष्य में ऐसी त्रुटियों को रोका जा सके। 15 जुलाई की आधी रात तक गाजा में जारी हवाई हमलों में 70 से ज्यादा लोग मारे गए। ऐसे में मृतकों की कुल संख्या लगभग 58,500 तक पहुंच चुकी है। मिस्र ने चेतावनी दी कि, इजरायल-ईयू समझौते के बावजूद भी सहायता जमीन पर नहीं पहुंच रही है।

ट्रंप ने मेक्सिको के टमाटरों पर लगाया 17 फीसदी टैरिफ

वाशिंगटन। अमेरिका ने मेक्सिको से आयात होने वाले टमाटरों पर 17.09 फीसदी का एंटी-डंपिंग शुल्क लगा दिया है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने ऐलान किया है कि मेक्सिको की ओर से कथित अनुचित व्यापार के चलते यह कदम उठाया गया है। यह फैसला 2019 के उस समझौते को खत्म करने के बाद आया। इस समझौते की वजह से ऐसे शुल्कों पर रोक थी। मेक्सिको अमेरिका में ताजा टमाटरों का सबसे बड़ा सप्लायर है और इस नए शुल्क से दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने कहा कि मेक्सिको हमारा बड़ा दोस्त है, लेकिन हमारे किसान अनुचित व्यापार की मार लंबे समय से झेल रहे हैं। टमाटरों की कीमतों को कम करके हमारे बाजार को नुकसान पहुंचाया गया। अब यह सिलसिला बंद होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की व्यापार नीतियों के मुताबिक है।

शी जिनपिंग से मिले जयशंकर, दिया पीएम मोदी का मैसेज

एजेंसी ■ बीजिंग

विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत और चीन के बीच जमी हुई बर्फ थोड़ी पिघलती नजर आ रही है। पहले उन्होंने बीजिंग में अपने काउंटरपार्ट से मुलाकात की और अब उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की है। विदेश मंत्री ने इस मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर जानकारी दी है और बताया है कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की शुभकामनाएं उन्होंने शी जिनपिंग को दी है। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में हो रही प्रगति से जुड़ी हुई जानकारी भी शी जिनपिंग को दी और इस बात पर जोर दिया कि भारत और चीन के बीच संबंधों को दिशा देने में दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

बता दें कि इस बैठक में एससीओ के 10 सदस्य देश शामिल हो रहे हैं। इस संगठन के सदस्यों में - भारत, चीन, रूस,

ईरान, पाकिस्तान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस शामिल हैं। इन सभी देशों के विदेश मंत्री इसमें हिस्सा ले रहे हैं। वे यहां क्षेत्रीय सुरक्षा, संगठन का भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। यह बैठक भारत-चीन संबंधों के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की कोशिशें जारी हैं।

भविष्यवाणी दुनिया की करीब 10 फीसदी आबादी सक्रिय ज्वालामुखियों के नजदीक

लोगों की जान बचाने अंतरिक्ष से ज्वालामुखी विस्फोटों पर नजर रख रहा नासा

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ज्वालामुखी विस्फोटों की पहचान और भविष्यवाणी के लिए अंतरिक्ष से नजर रख रही है। इसका मकसद न सिर्फ पर्यावरण और जलवायु पर पड़ने वाले प्रभावों को समझना है, बल्कि करोड़ों लोगों को चेतावनी देना भी है। नासा के वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं कि पेड़ों के पत्तों में आने वाला बदलाव किसी ज्वालामुखी विस्फोट का संकेत हो सकता है और इन बदलावों को सैटेलाइट के ज़रिए अंतरिक्ष से ट्रैक किया जा सकता है। नासा ने कई उपग्रहों और उपकरणों की मदद से पृथ्वी के सक्रिय ज्वालामुखियों पर नजर बनाए रखी है। इनमें लैंडसेट 8 और 9 हैं, जो हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज के ज़रिए ज्वालामुखीय गतिविधियों और राख के जमाव को दिखाते हैं। सेंटिनेल-5पी सैटेलाइट से वायुमंडल में सल्फर डाइऑक्साइड और अन्य गैसों की निगरानी की जा रही है। वहीं, गोएस-आर सीरीज से रीयल-टाइम में विस्फोट और राख के बादलों की इमेज रिसीव हो रही है। इसके अलावा नासा मोडिस सैटेलाइट वायुमंडल में राख और एरोसोल पर नजर रख रहा है। नासा की अर्थ साइंस डिवीजन के प्रमुख फ्लोरियन श्वांडनर के मुताबिक ज्वालामुखी के लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम पहले से मौजूद हैं, लेकिन हमारा लक्ष्य उन्हें और बेहतर बनाना है और समय से पहले चेतावनी देना है। नासा के मुताबिक दुनिया करीब 10 फीसदी आबादी सक्रिय ज्वालामुखियों के नज़दीक रहती या काम करती है। ऐसे में अगर समय रहते सटीक चेतावनी दी जाए, तो जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है। ज्वालामुखी से निकलने वाली राख और सल्फर डाइऑक्साइड जैसी गैसें न केवल हवाई उड़ानों के लिए खतरनाक होती हैं, बल्कि मानव स्वास्थ्य और जलवायु संतुलन पर भी असर डालती हैं। ये गैसें वायुमंडलीय तापमान को प्रभावित कर सकती हैं और लंबी अवधि तक वैश्विक जलवायु को बदल सकती हैं।

पनामा में 6.2 की तीव्रता से आया भूकंप, धरती हिलते ही भागने लगे लोग

पनामा। पनामाम में आए भूकंप ने लोगों को जमकर डराया। यहां के प्रशांत तट पर 6.2 की तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप इतना जोरदार था कि लोग आनन-फानन में घर से बाहर भागने लगे। जोरदार भूकंप से पनामा सहम गया। अधिकारियों ने बताया कि इस भूकंप से तत्काल किसी नुकसान या हताहत की सूचना नहीं मिली है। इस भूकंप की गहराई धरती से 10 किलोमीटर अंदर थी। यूएसएजीएस यानी यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने इसकी जानकारी दी। हालांकि पनामा में भूकंप कोई नई बात नहीं है, क्योंकि यह देश टेक्टॉनिक प्लेटों की सीमा पर स्थित है। इसके कारण समय-समय पर भूकंपीय गतिविधियां होती रहती हैं। हालांकि, इस बार के भूकंप का केंद्र अपेक्षाकृत गहराई पर था, जिसके कारण सतह पर इसका प्रभाव सीमित रहा। स्थानीय निवासियों ने बताया कि झटके हल्के से मध्यम थे, और कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा किए। यूएसएजीएस के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार सोमवार दोपहर के समय पनामा के चिरिकी प्रांत में पुंटा बुरिका से करीब 130 मील दक्षिण में आया।

समेरिटंस में जूनियर डिविजन एनसीसी कैडेट्स भर्ती

नर्मदापुरम। 13 मध्यप्रदेश बटालियन के कमान अधिकारी के निर्देशानुसार एवं सूबेदार मेजर जीवी सिंह के मार्गदर्शन में समेरिटंस हायर सेकंडरी स्कूल में मंगलवार को जूनियर डिविजन के एनसीसी कैडेट्स की भर्ती हुई। इसमें विद्यालय के 68 बच्चों ने भाग लिया। भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत करते हुए प्राचार्य प्रेरणा रावत ने उपस्थित सभी बच्चों को एनसीसी की जानकारी दी। भर्ती प्रक्रिया में 25 कैडेट्स का सिलेक्शन हुआ। एनसीसी अधिकारी सेकंड अफसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव, नायब सूबेदार रामवतार सिंह, हवलदार सचिन कुमार, हवलदार हरफूल सिंह, एनसीसी ऑफिसर स्नेहा उपाध्याय, संस्था के खेल अधिकारी सचिन खंपरिया ने मिलकर पूर्ण कराया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान संस्था निर्देशक डा आशुतोष कुमार शर्मा, एनसीसी मैनेजर प्रदीप कुमार यादव उपस्थित रहे।

स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनसीसी बॉयज कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया हुई

नर्मदापुरम। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 13 एमपी बटालियन एनसीसी बॉयज कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया मंगलवार को हुई। इस प्रक्रिया में विद्यालय के 45 बच्चों ने भाग लिया, जिनमें से 25 बच्चों का चयन किया गया। शारीरिक व अन्य क्षमताओं के आधार पर चयनित इन कैडेट्स को विद्यालय के एनसीसी दल में प्रवेश देकर सैन्य प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जिससे वे अपने कौशल और नेतृत्व क्षमता का विकास कर सकें। एनसीसी का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सामुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा देना है। 13 एमपी बटालियन के कमान अधिकारी अमरदीप चटवाल सर के निर्देशानुसार सूबेदार मेजर जीबी सिंह के मार्गदर्शन में नायब सूबेदार महावीर सिंह, हवलदार नरेश कुमार और हवलदार अर्जुन सिंह एवं स्कूल एनसीसी अधिकारी शेख कमर द्वारा भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न कराई। चयनित कैडेट्स को संस्था डायरेक्टर डॉ आशीष चटर्जी एवं प्राचार्य मोना चटर्जी ने बधाई दी एवं कड़ी मेहनत कर सफलता प्राप्त करने तथा आरडीसी परेड तक जाने के लिए कैडेट्स को शुभकामनाएं दीं।

फूलवती जोशी का 65 वर्ष की आयु में निधन

नर्मदापुरम। पत्रकार पीतांबर जोशी की पूज्य माता फूलवती जोशी का लंबी बीमारी के उपरांत मगलवार को निधन हो गया है। वह 65 वर्ष की थी उनकी अंतिम यात्रा शाम 4 बजे हाउसिंग बोर्ड स्थित निज निवास से राजघाट मुक्तिधाम तक निकाली गई। माताश्री की अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक, पत्रकार एवं सामाजिक बंधु शामिल हुए,अंतिम संस्कार राजघाट पर किया गया।

रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्नः मरीजों को सुविधाओं के विस्तार के लिए लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

जिला चिकित्सालय में डायलिसिस सुविधा, नए कूलर-पंखे, नाली निर्माण सहित कई प्रस्तावों पर बनी सहमति

नर्मदापुरम। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में रोगी कल्याण समिति की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन बुधवार को किया गया। बैठक में जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं के विस्तार के लिए आवश्यक कार्यवाहियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक नर्मदापुरम डॉ.सीतासरन शर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष नर्मदापुरम भूपेंद्र चौकसे, डिप्टी कलेक्टर डॉ.बबीता राठौड़, सिविल सर्जन डॉ.सुनीता कामले, सीएमएचओ नरसिंह गहलोत,अर्पित मालवीय, अनुराग तिवारी सहित अन्य समिति सदस्य उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन तथा वर्ष 2024-25 के रोगी कल्याण समिति के आय व्यय के विवरण पर चर्चा की गई। इसके पश्चात प्रस्तावित बिंदुओं पर चर्चा कर विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति सदस्यों द्वारा चिकित्सालय में 30 नए कूलर एवं पंखे की व्यवस्था किए जाने पर सहमति व्यक्त की गई। इसी प्रकार ऑपरेशन थिएटर के रास्ते को ठीक करवाए जाने के लिए भी समिति सदस्यों द्वारा एक मत सहमति दी गई। रोगी कल्याण समिति की बैठक के दौरान जिला चिकित्सालय परिसर में नाली निर्माण कार्य के संबंध में सिविल सर्जन द्वारा जानकारी दी गई की नली का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जिला चिकित्सालय में शीघ्र ही डायलिसिस सुविधा के लिए डायलिसिस को जनरेटर से कनेक्शन किए जाने की भी सहमति समिति सदस्यों द्वारा दी गई। इस दौरान विधायक डॉक्टर सीता शरण शर्मा ने कहा कि मोर्चरी कक्षा की मरम्मत एवं डीप फ्रीजर तथा वाटर कूलर एवं परिजनों के बैठने की सुविधा के लिए शेड निर्माण एवं बेंच की व्यवस्था किए जाने के लिए उचित कोटेशन प्राप्त कर तथा भंडार क्रय नियम अनुसार खरीदी की जाए। उन्होंने कहा कि अन्य बिंदुओं पर आगामी अस्पताल निरीक्षण के उपरांत समीक्षा बैठक आयोजित कर शीघ्र ही निर्णय लिए जायेंगे। बैठक के दौरान जिला अस्पताल के दैनिक एवं छोटे-मोटे मरम्मत कार्यों के लिए कंटीन्जेंसी फंड से राशि का उपयोग कर कार्य किए जाने के लिए भी समिति द्वारा निर्णय लिया गया।

बैतूल में निर्मित आजीविका मिशन प्लाजा की दुकानों का पट्टा 3 साल में होगा रिनिवल

खाद की कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई, फील्ड अधिकारियों को सतत निरीक्षण के निर्देश

जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आयोजित

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक बुधवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, जिला पंचायत एवं जनपद सदस्य सहित मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अक्षत जैन, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में आजीविका मिशन प्लाजा प्रोजेक्ट पर गहन चर्चा की गई। यह प्लाजा बैतूल में निर्माणाधीन है और इसका उद्देश्य स्थानीय स्व-सहायता समूहों विशेषकर महिलाओं को स्वावलंबी बनाना है। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि प्लाजा में निर्मित दुकानों का पट्टा तीन वर्ष की अवधि के लिए होगा, जिसे हर तीन वर्ष में नवीनीकरण किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पवार ने कहा कि यह प्रोजेक्ट न केवल ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा, बल्कि जिला पंचायत के लिए राजस्व का नया स्रोत भी बनेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पवार ने आरईएस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और ठेकेदार से पूरी गुणवत्ता के साथ काम कराया जाए। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भवन का निर्माण ऐसा होना चाहिए कि वह 30 से 40 वर्षों तक मजबूती से टिका रहे और किसी प्रकार की मरम्मत की आवश्यकता जल्दी न पड़े।

सड़कों के गड्ढे भरने और स्वीकृत डेम निर्माण शुरू करने दिए निर्देश

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पवार ने बारिश के चलते खेडी-परतवाड़ा मार्ग, मुलताई-परमंडल मार्ग के गड्ढ़ों तथा मांडवी से देहगुड़ के बीच सड़क की साइट पटरी भरें जाने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारी को दिए। इसके अलावा उन्होंने कोयलारी, मंजरा घोघरा और मुलताई विकासखंड में स्वीकृत डेम के निर्माण कार्य को शुरू करने के निर्देश दिए। बैठक में पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारी को मुलताई सहित अन्य ब्लॉकों में डॉक्टरों की नियुक्ति किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, जल संसाधन विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

दुकानों पर रेट लिस्ट और हेल्पलाइन नंबर चस्पा करने के निर्देश

कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने खाद वितरण की व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश दिए। सीईओ श्री जैन ने कृषि विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि एसडीओ और फील्ड ऑफिसर नियमित रूप से खाद दुकानों का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि सभी खाद दुकानों और ग्राम पंचायत कार्यालयों में यूरिया की रेट लिस्ट और हेल्पलाइन नंबर स्पष्ट रूप से चस्पा किए जाएं, ताकि किसानों को सही जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान अधिक दामों में यूरिया बेचे जाने वाले विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित किए जाने की कार्रवाई की जाए। सीईओ श्री जैन ने कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे फील्ड विजिट के दौरान किसानों से सीधा संवाद करें, उनकी समस्याएं सुनें और उन्हें योजनाओं की जानकारी दें। कृषि अधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना समेत अन्य कृषि संबंधी योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की गई।

एक बगिया मां के नाम अभियान से ग्रामीण महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैन ने कहा कि जिले में एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की लघु और सीमांत कृषक महिलाओं को मनरेगा, उद्यानिकी एवं एसआरएलएम के समन्वित प्रयास से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से पौधारोपण, सब्जी उत्पादन और बागवानी से जोड़ा जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने बताया कि वर्तमान में जिले भर के लगभग 2000 महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। अभियान के तहत हर ब्लॉक में 100 पात्र हितग्राहियों का चयन किया जाएगा।यह चयन एक ऐप के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें हितग्राही की पात्रता लघु या सीमांत कृषक होना अनिवार्य है।उपलब्ध जमीन की स्थिति, रकबा और उपयोगिता, परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अवलोकन होगा। एक बार पात्रता तय हो जाने के बाद सबसे पहले चयनित भूखंड की फेंसिंग करवाई जाएगी, ताकि मवेशियों आदि से पौधों की सुरक्षा की जा सके। इसके बाद संबंधित महिला स्वयं सहायता समूह की सहायता से पौधारोपण किया जाएगा। वहीं महिलाएं सब्जी की खेती भी करेंगी जिससे उन्हें घर के उपयोग और बाजार में विक्रय दोनों स्तरों पर लाभ मिलेगा।सीईओ श्री जैन ने कहा कि इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य यह है कि ग्रामीण महिलाएं अपनी भूमि का बेहतर उपयोग करें, और कम लागत में अधिक आय अर्जित कर सकें। साथ ही, इससे परिवार की पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

देहगुड़ के रवींद्र झाड़े ने बढ़ाया आठनेर का मान, SAM ग्लोबल विश्वविद्यालय से पीएचडी डिग्री की स्वीकृति

ग्रामीण अंचल से निकलकर शैक्षणिक तनाव और भावनात्मक स्थिरता पर किया शोध, आगामी दीक्षांत समारोह में मिलेगा सम्मान

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। जिले के विकासखंड आठनेर की ग्राम पंचायत देहगुड़ का नाम आज शिक्षा जगत में रोशन हुआ है। इसी गांव के निवासी रवींद्र झाड़े को रायसेन स्थित स्रूू ग्लोबल विश्वविद्यालय ने पीएचडी डिग्री के लिए पात्र घोषित किया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया कि रवींद्र झाड़े ने यूजीसी के निर्धारित मानकों और प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अपना शोधकार्य पूर्ण किया। उनकी थीसिस का मूल्यांकन कर परीक्षकों ने इसे अत्यंत प्रासंगिक और समाजोपयोगी बताया।रवींद्र झाड़े ने 2 नवंबर 2020 को पीएचडी कार्यक्रम में पंजीकरण कराया था। उनका शोध विषय छात्रों के बीच शैक्षणिक तनाव, भावनात्मक स्थिरता और माता-पिता के रवैये पर एक तुलनात्मक अध्ययन रहा, जो आज के समय में बच्चों और अभिभावकों के बीच बढ़ते मानसिक दबाव को समझने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मनोविज्ञान विषय के अंतर्गत कला, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय में किए गए इस शोध का मार्गदर्शन डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने किया। झाड़े ने 25 सितंबर 2024 को थीसिस प्रस्तुत की और 3 जुलाई 2025 को हुए ओपन डिफेंस एवं मौखिक परीक्षा में सफलतापूर्वक अपने शोध का प्रतिपादन किया।रजिस्ट्रार ललित अरसठ ने अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि रवींद्र झाड़े का यह शोध छात्रों में बढ़ते तनाव को कम करने, अभिभावकों को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और शिक्षा व्यवस्था को अधिक मानवीय बनाने में सहायक सिद्ध होगा। विश्वविद्यालय ने उन्हें आगामी दीक्षांत समारोह में डिग्री प्रमाण पत्र प्रदान करने की घोषणा की है।देहगुड़ जैसे ग्रामीण अंचल से निकलकर पीएचडी की यह ऊंचाई हासिल करना रवींद्र झाड़े की लगन, संघर्ष और समर्पण का परिणाम है। सीमित संसाधनों और ग्रामीण परिवेश में रहते हुए भी उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि यदि इच्छा शक्ति मजबूत हो तो किसी भी मंजिल को पाया जा सकता है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनका परिवार गर्वित है, बल्कि पूरा आठनेर विकासखंड और बैतूल जिला गौरवान्वित महसूस कर रहा है।रवींद्र झाड़े की यह प्रेरणादायक

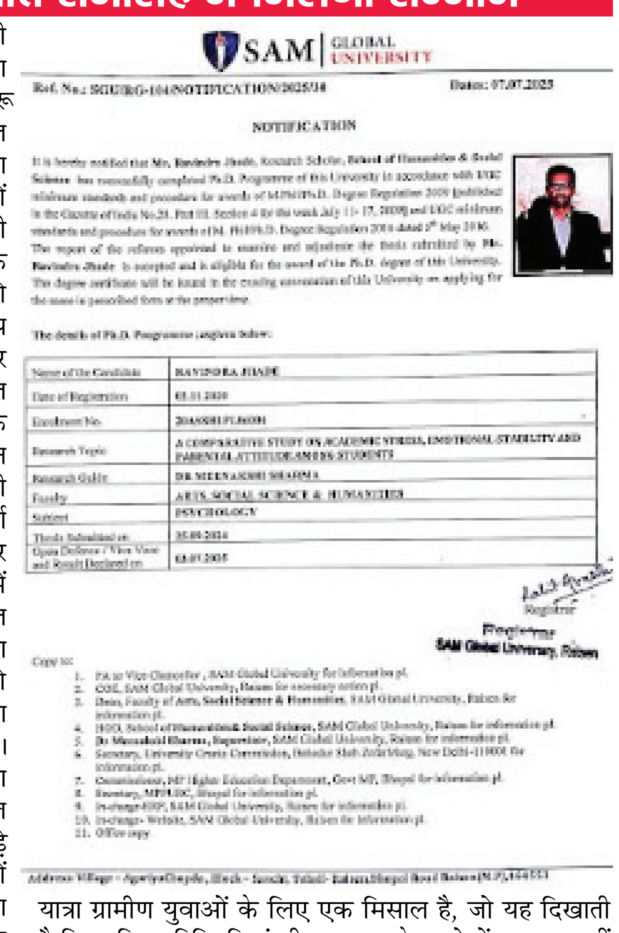

SAM | GLOBAL UNIVERSITY

NOTIFICATION

The details of Ph.D. Programme are given below:

Name of the Candidate	RAVINDRA JHADE
Date of Registration	[illegible]
Enrolment No.	[illegible]
Research Topic	A COMPARATIVE STUDY ON ACADEMIC STRESS, EMOTIONAL STABILITY AND PARENTAL ATTITUDE AMONG STUDENTS
Research Guide	DR MEENAKSHI SHARMA
Faculty	ARTS, SOCIAL SCIENCE & HUMANITIES
Subject	PSYCHOLOGY
Thesis Submitted on	[illegible]
Open Defence / Viva Voce and Result Declared on	[illegible]

Registrar
SAM Global University, Raisen

यात्रा ग्रामीण युवाओं के लिए एक मिसाल है, जो यह दिखाती है कि कठिन परिस्थितियां भी सफलता के रास्ते में रुकावट नहीं बन सकतीं। उनका शोध आने वाले समय में शिक्षा जगत में नई दिशा देने के साथ ही छात्रों और अभिभावकों के बीच संवाद और समझ को मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

आरती शर्मा बनी संभागीय अध्यक्ष

नर्मदापुरम। विगत दिनों सर्व ब्राह्मण समाज के आनुशांगिक परशुराम सेना डायल की संभागीय बैठक इटारसी सुहाग मैरिज हॉल में बुधवार को संपन्न हुई समाज की युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने जैसे विषयों पर मंथन हुआ एवं सेना का विस्तार हुआ जिसमें विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर सीता शरण शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे एवं पंडित विष्णु राजोरिया अध्यक्ष परशुराम कल्याण बोर्ड मध्यप्रदेश पंडित राकेश चतुर्वेदी संरक्षक परशुराम सेना पंडित हेमंत शुक्ला (मधु शुक्ला)संभागीय अध्यक्ष सर्व ब्राह्मण समाज पंडित जितेंद्र ओझा संरक्षक परशुराम सेना पंडित मुकेश चतुर्वेदी प्रदेश संयोजक परशुराम सेना पंडित प्रेम गुरु कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष पंडित सुधीर शर्मा संरक्षक कार्यकारी अजय मिश्रा प्रदेश महामंत्री सुनील उपाध्याय प्रदेश मंत्री पंडित चेतन भार्गव संगठन महामंत्री की उपस्थिति में आरती शर्मा नर्मदापुरम परशुराम सेना महिला प्रकोष्ठ की संभागीय अध्यक्ष तय हुई, सभी वरिष्ठ जनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी आरती ने सभी को धन्यवाद देकर कर्तव्य निष्ठा से दायित्व निर्वहन का आश्वासन दिया।

अतिथि शिक्षक संघ के तहसील अध्यक्ष बनाया गया महेश कुर्मी को

रंजीत ठाकुर की रिपोर्ट विदिशा। अंतर्गत तहसील त्योंदा में अतिथि शिक्षक संघ की बैठक संपन्न हुई जिसमें सभी की सहमति से । निवासी ग्राम गोदावल के रहने वाले महेश कर्मी पिता शिवराज सिंह कुर्मी को अतिथि शिक्षक संघ का तहसील अध्यक्ष बनाया गया।

कलेक्टर ने हाईस्कूल पहुंचकर परखा छात्रों का ज्ञान

कक्षाओं में जाकर पूछे पाठ्यपुस्तक से सवाल, शैक्षणिक गतिविधियों की ली जानकारी

रायसेन से कलीम खान की रिपोर्ट। शासन की शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा ने बुधवार को वार्ड क्रमांक-04 कलेक्ट्रेट कॉलोनी स्थित शासकीय हाईस्कूल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वे बिना पूर्व सूचना के विद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने सबसे पहले स्कूल में मौजूद शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रजिस्टर देखा और उपस्थिति की स्थिति जानी।

विद्यार्थियों से की सीधी बातचीत

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्कूल की विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने पढ़ाई के स्तर को परखने के लिए पाठ्यपुस्तक से सवाल पूछे, जिनके जवाब से उन्होंने बच्चों की समझ और तैयारी का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने यह भी जाना कि स्कूल नियमित रूप से खुल रहा है या नहीं, और शिक्षकों की उपस्थिति कैसी रहती है।

पुस्तक वितरण और परीक्षा परिणाम पर विशेष ध्यान

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकों के वितरण की स्थिति की जानकारी ली और सुनिश्चित किया कि सभी छात्रों को समय पर पुस्तकें प्राप्त हो चुकी हों। इसके साथ ही उन्होंने पिछले वर्ष के परीक्षा परिणाम और वर्तमान शैक्षणिक गतिविधियों पर भी शिक्षकों से चर्चा की।

बच्चों को दी प्रेरणा-मेहनत से करें पढ़ाई

कक्षाओं में संवाद के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप सभी विद्यार्थी पूरी लगन और मेहनत से पढ़ाई करें। यही मेहनत आगे चलकर आपके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगी।

शासन की योजनाओं की भी दी जानकारी

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बच्चों को शासन द्वारा चलाई जा रही शिक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी और उनसे उसका पूरा लाभ लेने की अपील की।

अर्चना चिटनिस ने पुरूषार्थी स्कूल का निरीक्षण कर बच्चों को पढ़ाया पाठ, अधिकारियों को दिए निर्देश

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। बुधवार को विधायक,पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने शासकीय पुरूषार्थी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान श्रीमती चिटनिस ने विद्यालय कक्ष और परिसर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को उचित निर्देश दिए। साथ ही कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से रूबरू होकर उनसे प्रश्न पूछकर उनका हालचाल जाना। प्राथमिक शाला की बालिकाओं से निबंध के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्हें निबंध कैसा लिखे,पाठ पढ़ाया। साथ ही 2 व 5 का पहाड़ा पूछा तो अगली कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों से कविता पाठ पर चर्चा की। उन्हें रविन्द्रनाथ टैगोर की कविता ''देश की माटी-देश का जल'' का स्मरण कराकर सामूहिक वाचन कराया। विद्यालय में कमियों-सुविधाओं के बारे में विद्यार्थियों और शिक्षकों से जानकारी ली श्रीमती चिटनिस ने विधायक निधि से स्वीकृत किए गए 10 लाख रूपए की लागत की विद्यालय परिसर की बाउंड्रीवाल और आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्यस्थल का निरीक्षण कर भूमि आवंटन हेतु तहसीलदार को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्कूल में स्वच्छता को लेकर श्रीमती चिटनिस ने नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधितों को तत्काल साफ-सफाई और अन्य सुविधाओं को सुचारू बनाने के लिए जिला शिक्षाधिकारियों और प्राचार्य से विस्तृत जानकारियां एक सप्ताह में प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर सिंधीबस्ती, गुरूनानक वार्ड,लक्ष्मीनगर, ब्रम्हशक्ति नगर, गुरूगोविंदसिंह नगर के नागरिकों ने अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया। जिसको लेकर नगर निगम के उपस्थित अधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु निर्देशित करते हुए शिक्षा विभाग को 2015 पूर्व इस विद्यालय के संबंध में अमर शहीद हेमू कॉलानी के नाम पर विद्यालय के नामकरण की गई कार्यवाही को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु निर्देश दिए।

शनवारा में निर्माणाधीन नाला और सड़क का किया निरीक्षण

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने स्थानीय नागरिकों,जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ शनवारा चौराहे स्थित हरीरपुरा वार्ड में निर्माणाधीन नाला निर्माण कार्य की प्रगती,अधूरे कार्य और सड़क मार्ग का निरीक्षण किया। श्रीमती चिटनिस ने आराध्य देव श्री गोगादेव जयंती के पूर्व 15 अगस्त 2025 तक आवश्यक निर्माण कार्य पूर्ण कराने हेतु स्थानीय नागरिकों एवं नगर निगम अधिकारियों में सामजंस्य स्थापित कराया। साथ ही मार्ग पर अस्थाई रूप से कीचड़ से मुक्ति हेतु मुरम बिछाने के लिए निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव,तहसीलदार नितीन चौहान,इंजीनियर प्रेमकुमार साहू,जिला शिक्षाधिकारी संतोषसिंह सोलंकी,डीपीसी रविन्द्र महाजन,प्राचार्य संजय अगनानी,बलराज नावानी, चिंतामन महाजन,पार्षद श्रीमती निर्मला फुलवाणी, धनराज महाजन, संभाजीराव सगरे,गौरव शुक्ला,गौरव शिवहरे, एजाज अशरफी, किशोर कामठे,रूद्रेश्वर एंडोले,रवि काकड़े,अक्षय मोरे,देवराम महाजन,लद्दाराम खटवानी,मनोज फुलवाणी,नारायण वासवानी,शिवदास मोहनानी,श्रीचंद पोहानी,परेश भंगाले,नरेश हासानंदानी,मनोज पवार,दीपक जयसिंघानी,टेकचंद नावानी एवं धरम सौदे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी मौजूद थे।

खाद्य सामग्री एवं अति आवश्यक वस्तु के दुरुपयोग के खिलाफ सोण्डवा में कार्यवाही की गई

मुस्तकीम मुगल खबरों की रोशनी अलीराजपुर। सोण्डवा एसडीएम सीजी गोस्वामी द्वारा अति आवश्यक वस्तु एवं मिलावटी सामग्री एवं खाद्य पर्दाथ पर रोकथाम के लिए कार्यवाही की गई। कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर के निर्देशानुसार जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए आदेशित किया गया था । निर्देशों के परिपालन में आज सोण्डवा क्षेत्र में संयुक्त जॉच दल द्वारा औचक निरीक्षण किया गया । इस दौरान अंकिता चाय नास्ता एवं किराना से भारी मात्रा में एक्सपायरी बड़ी व छोटी 180 बोतल लगभग नष्ट कि गई तथा 4 घरेलू उपयोग की गैस टंकी एवं 19 लीटर पेट्रोल जप्त कर कार्यवाही की गई। संयुक्त दल में तहसीलदार ,कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी रामा अवास्या, आदि कार्यवाही के दौरान मौजूद थे।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने नई दिल्ली में वस्त्र मंत्रालय सचिव से की मुलाकात

ताप्ती मिल के श्रमिकों को अगस्त में मिलेगा 8 माह का लंबित वेतन

- ताप्ती मिल को फिर से शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री से जल्द मिलेंगे सांसद - मिल के कर्मचारियों के बोनस को लेकर भी हुई चर्चा

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। नेशनल टेक्सटाईल कॉपोरेशन की युनिट बुरहानपुर ताप्ती मिल के कर्मचारियों की लंबित मांगो के निराकरण को लेकर खंडवा लोकसभा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने नई दिल्ली में वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार की सचिव नीलम शमी राव के साथ महत्वपूर्ण बैठक की सांसद ने कहा कि ताप्ती मिल जो कोरोना काल से बंद है,मिल में कार्यरत लगभग 800 कर्मचारी- श्रमिको को नवंबर 2024 से जून 2025 तक कुल 8 माह से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। यही नहीं कोरोना काल के बाद जून 2023 से 17 माह की आधी सैलरी का भुगतान भी शेष है। वेतन का भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों के परिवारों के सामने आर्थिक संकट खडा हो गया है इसलिए शीघ्र अतिशीघ्र लंबित वेतन जारी किया जाए। सचिव ने आश्वस्त किया कि अगस्त माह में कर्मचारियों का वेतन जारी कर देंगे। इस दौरान सांसद ने नर्मदेश्वर महादेव का शिवलिंग सचिव को भेंट किया।

मिल के कर्मचारियों को मिले बोनस

सांसद ने एनटीसी मिल के वरिष्ठ अधिकारियों को बताया कि ताप्ती मिल के कर्मचारी-श्रमिक यूनियनो द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया है कि मुम्बई की तीन(एन.टी.सी.)मिल के कर्मचारी को दो साल का बोनस दिया गया है।बुरहानपुर ताप्ती मिल के श्रमिको का वर्ष 2021 से बोनस शेष है। इन्हें भी बोनस का लाभ दिया जाना चाहिए। कर्मचारियों को बोनस मिलता है तो यह उनके लिए राहत होंगी।

सांसद ने की थी बैठक

मिल कर्मचारियों के लंबित वेतन की मांग को लेकर 2 जून 2025 को ताप्ती मिल में सांसद श्री पाटील ने श्रमिकों,यूनियन पदाधिकारीयो के साथ जीएम से महत्वपूर्ण बैठक की थी। सांसद ने तब विश्वास दिलाया था कि इस विषय को लेकर नई दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर निराकरण करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी से करेंगे अनुरोध

उल्लेखनीय है कि 6 अगस्त 2024 को नई दिल्ली में यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी से सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने भेंट कर ताप्ती मिल को पुन: संचालित करने हेतु अनुरोध किया था। प्रधानमंत्री जी को पत्र सौंप सांसद श्री पाटील ने बताया था कि ताप्ती मिल को केंद्र सरकार द्वारा 100 करोड रुपये दे कर आधुनिकरण किया गया था। जिस कारण इस मिल में प्रत्यक्ष रूप से 800 श्रमिक रोजाना कार्यरत थे। इस मिल पर अप्रत्यक्ष रूप से लगभग1200 परिवार आधारित है। ताप्ती मिल के वर्क कल्चर अच्छा होने के कारण यह मिल कभी भी घाटे में नहीं गयी एनटीसी की चलने वाली 25 मिलो में ताप्ती मिल एक नंबर पर थी,2020 में कोरोना महामारी की वजह से इस मिल का संचालन बंद कर दिया गया। इस मिल के बंद होने के कारण 1200 परिवार प्रभावित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास दिलाया था कि इस दिशा में सरकार द्वारा सार्थक निर्णय लिया जाएगा। सांसद श्री पाटील ने बताया कि वे एक बार फिर प्रधानमंत्री से भेंट कर मिल को पुन शुरू करने के लिए अनुरोध करेंगे। ताप्ती मिल फिर के शुरू हो यह हमारे सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील नटेरन (जिला विदिशा)

दिनाक:-14/07/2025

प्र.क्र. 0025/अ-27/25-26

1- सौदानसिंह पुत्र मन्नू आदि
कृषक गण ग्राम रसपुराकला
तह: नटेरन -------आवेदकगण

विरूद्ध

1- रामभरोसा पुत्र गर्नेशा जाटव आदि
कृषक गण: ग्राम रनपुराकला
तह. नटेरन --------आवेदकगण

-:सूचना पत्र:-

बनाम रामभरोसे बाबूलाल म्रेसमबाई गुडडीबाई पुत्र पुत्री गनेशा खुमरीबाई बेबा गनेशा कल्यानसिंह, मटरू महाराजसिंह धर्मेन्द्र जानकी जमुना गंगा पुत्र पुत्री राजबाई भूरीबाई चैनसिंह पुत्र पुत्री मन्नू जाति जाटव कृषकगण ग्राम रमपुराकला तहसील नटेरन जिला विदिशा (म.प्र)

-------000-------

जर्य सूचना पत्र आपको सूचित किया जाता है कि आवेदकगण सौदानसिहं पुत्र मन्नु आदि द्वारा ग्राम रमपुराकला स्थित भूमि आराजी क्रमांक 210 रकबा 0073 243 रकबा 0.761 286 रकबा 1.720 हैं का बटबारा किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। आप आवेदित भूमियों में हितधारी पक्षकार है जिसके सबंध में आपके अंतिम ज्ञात पते पर सुचना पत्र किए जाने पर आपको सूचना पत्र की तामीली नहीं हो सकी है अतएव इस सुचना पत्र (समाचार पत्र) के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि प्रकरण में नियत दिनांक 25/7/2025 उपस्थित होकर अपना पक्ष स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत करें नियत दिनांक को आप अनुपस्थित रहने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सूचना पत्र आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील नटेरन
(जिला विदिशा)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक मो. साबिर खान द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स 26, देशबंधु परिसर जोन-1 एमपी नगर से मुद्रित एवं मकान नंबर 2, गली नंबर 2 न्यू सब्जी मंडी सिलावट पुरा भोपाल (मध्य प्रदेश) से प्रकाशित!
प्रधान संपादक: मो. साबिर खान-मो नं. 9893887934 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) Email-khabrokiroshniroshni@gmail.com